प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 191 | दिनांक : रविवार, 12 जुलाई 2026 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सुविचार

सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

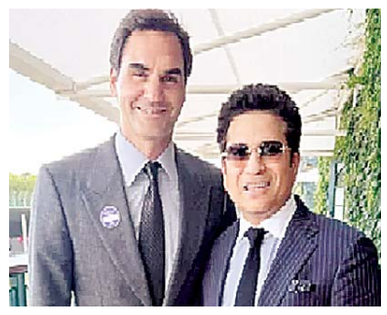

'कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं', फेडरर से मुलाकात के बाद सचिन का भावुक पोस्ट...

» पृष्ठ 7 पर

भारतीय नौसेना को मिली नई ताकत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने INS महेंद्रगिरि को किया कमीशन

» प्रथम न्यूज । विशाखापत्तनम
11 जुलाई (एजेंसी)

भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत और मारक क्षमता में शनिवार को एक ऐतिहासिक इजाफा हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में आयोजित एक भव्य समारोह में स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को आधिकारिक तौर पर नौसेना के बेड़े में कमीशन कर दिया है। यह भारतीय नौसेना के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 17 का छठा युद्धपोत है। कमीशनिंग समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नौसेना द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन भी उनके साथ मौजूद रहे। रक्षा मंत्री शुक्रवार शाम को ही इस अहम कार्यक्रम के लिए विशाखापत्तनम पहुंच गए थे।

75% स्वदेशी तकनीक से बनी आत्मनिर्भर भारत की मिसाल

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (WDB) द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने किया है।

यह युद्धपोत स्वदेशी जहाज निर्माण में भारत की लगातार बढ़ती विशेषज्ञता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस स्टील्थ फ्रिगेट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और तकनीक का उपयोग किया गया है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इसके निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) सहित बड़ी संख्या में भारतीय उद्योगों ने अपना योगदान दिया है। इससे न केवल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल को भारी सफलता मिली है, बल्कि देश का रक्षा औद्योगिक आधार भी मजबूत हुआ है और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

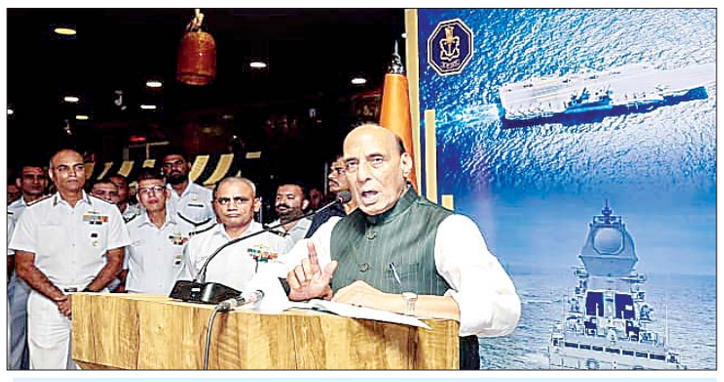

हर मोर्चे पर अचूक मारक क्षमता

आईएनएस महेंद्रगिरि केवल एक जहाज नहीं, बल्कि समुद्र में तैरता हुआ एक अभेद्य किला है। यह युद्धपोत अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों, एडवांस सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर प्रणालियों से पूरी तरह लैस है। विशाखापत्तनम के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि महेंद्रगिरि हवा, समुद्र की सतह और पानी के नीचे (पनडुब्बी) से आने वाले किसी भी खतरे से एक साथ निपटने में सक्षम है। मारक क्षमता को और घातक बनाने के लिए इसे सतह से सतह पर मार करने वाली दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल से भी लैस किया जा सकता है। युद्ध अभियानों के अलावा, इस युद्धपोत को समुद्री सुरक्षा, सर्च एंड रेस्क्यू मिशन, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे महत्वपूर्ण शांति अभियानों को कुशलतापूर्वक अंजाम देने के लिए भी डिजाइन किया गया है।

पूर्वी घाट के महेंद्रगिरि पर्वत के नाम पर मिला नाम

इस अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट का नाम ओडिशा में स्थित पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। नौसेना के अनुसार, यह पर्वत श्रृंखला दृढ़ता, असीम ताकत और अटूट संकल्प का प्रतीक है, और ठीक यही गुण इस युद्धपोत में भी समाहित हैं। इस नाम को धारण करने वाला यह पहला भारतीय नौसैनिक युद्धपोत है, जो अपने आप में अनूठा है। नौसेना के शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि आईएनएस महेंद्रगिरि भारत के समुद्री इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में एक मजबूत दीवार साबित होगा।

आंध्र प्रदेश बना रक्षा और एयरोस्पेस का नया पावरहाउस

इस ऐतिहासिक अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक युद्धपोत हमारे घरेलू रक्षा उद्योगों की अविश्वसनीय क्षमताओं का जीता-जागता प्रमाण है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि महेंद्रगिरि भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने और एक सुरक्षित इंडो-पैसिफिक के हमारे संकल्प को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से कॉम्बैट-रेडी है। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने आंध्र प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक क्षमता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश अब तेजी से भारत के रक्षा निर्माण और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग के एक नए पावरहाउस के रूप में उभर रहा है, जो भविष्य में रक्षा क्षेत्र में भारत को और अधिक आत्मनिर्भर बनाएगा।

घूमाने के बहाने पत्नी को सोलन लाया, गला रेतकर खाई में फेंका

पति, भाई और दोस्त ने रची हत्या की साजिश, महिला ने मौत को दी मात

» प्रथम न्यूज । सोलन
11 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में पत्नी की हत्या की साजिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि उत्तर प्रदेश निवासी एक युवक अपनी पत्नी को घूमाने के बहाने सोलन लाया और अपने भाई व दोस्त के साथ मिलकर पहले चाकू से उसका गला रेत दिया, फिर उसे करीब 80 से 100 मीटर गहरी खाई में धक्का दे दिया। गंभीर रूप से घायल महिला झाड़ियों के सहारे सड़क तक पहुंच गई, जहां स्थानीय लोगों ने उसे बचाकर अस्पताल पहुंचाया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है।

100 मीटर गहरी खाई में धकेली पत्नी, पुलिस ने आधे घंटे में दबोचे तीनों आरोपी

पुलिस के अनुसार, शनिवार को पुलिस चौकी सपरून को घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी नरेश कुमार के बयान के आधार पर जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई की रात देहूंघाट के पास तीन युवकों को एक महिला के साथ देखा था। कुछ देर बाद लौटने पर तीनों महिला को गहरी खाई में धक्का देकर फरार होते दिखाई दिए। घटनास्थल पर खून के निशान भी मिले।

जांच के दौरान पुलिस ने उत्तर प्रदेश निवासी दलीप कुमार, उसके भाई शिवम और दोस्त मदन कुमार को घटना के करीब आधे घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दलीप और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिसके चलते हत्या की साजिश रची गई।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जा रहा है और मामले की गहन जांच जारी है।

संक्षिप्त न्यूज

हिज़्बुल आंतकी इम्तियाज़ अहमद कंडू के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी

श्रीनगर (ब्यूरो)- जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने 2013 के एक आतंकी हमले मामले में हिज़्बुल मुजाहिदीन के घोषित आतंकवादी इम्तियाज़ अहमद कंडू के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस हासिल कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि बारामूला जिले के तारजू इलाके में आतंकी हमले में पुलिस के चार जवान शहीद हो गए थे।

सोपोर के करालटांग का रहने वाला कंडू 2010 से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन का सक्रिय सदस्य और कमांडर रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार ने अक्टूबर 2022 में उसे घोषित व्यक्तिगत आतंकवादी करार दिया था। अधिकारियों ने कहा कि रेड कॉर्नर नोटिस से अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कंडू का पता लगाने और उसे हिरासत में लेने और उसे भारत प्रत्यर्पित करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने में मदद मिलेगी।

छह में से दो आरोपी हंदवाड़ा के कलामाबाद का तारिक अहमद मीर और सोपोर के बाटापोरा का कयूम नज्जर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए थे। सोपोर के जावेद अहमद मट्टू और रऊफ नज्जर और श्रीनगर के दलाल मोहल्ला के अहमदुल्लाह मल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन पर मुकदमा चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि छठा और मुख्य आरोपी कंडू फरार है। माना जाता है कि वह पाकिस्तान भाग गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना

17500 फीट ऊंचे लिपुलेख दर्रे से चढ़ाई शुरू

पिथौरागढ़ (ब्यूरो)- कैलाश मानसरोवर यात्रा-2026 का पहले दल ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले स्थित लिपुलेख दर्रे के रास्ते तिब्बत चीन में प्रवेश किया है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के अधिकारियों ने सभी आवश्यक इमीग्रेशन एवं सीमा संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद यात्रा दल को तिब्बत चीन की सीमा पर तैनात अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया। पहले दल में 48 श्रद्धालुओं के साथ एक चिकित्साकर्मी और तीन किचन स्टाफ सहित कुल 52 सदस्य शामिल हैं। तिब्बत चीन में प्रवेश के बाद यह दल निर्धारित पड़ावों पर रुकते हुए आगामी दिनों में पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की यात्रा पूरी करेगा।

दरअसल, कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए सबसे पुराना यात्रा मार्ग उत्तराखंड के लिपुलेख से है। इसके अलावा कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए सिक्किम के नाथुला दर्रे से भी यात्री जाते हैं। वहीं नेपाल के काठमांडू के रास्ते भी यात्रा के लिए श्रद्धालु जाते हैं। पहले उत्तराखंड के गूंजी से श्रद्धालुओं को पैदल होते ही लिपुलेख से होते हुए कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जाना होता था लेकिन सड़क बनने के बाद अब यात्री सीधे लिपुलेख दर्रे से होते हुए भारत तिब्बत चीन सीमा तक जाते हैं।

PM मोदी का न्यूज़ीलैंड में भारतीय समुदाय के बीच जोशीला भाषण

खेल से लेकर संस्कृति तक जमकर बोले, मफलर की कहानी भी सुनाई

» प्रथम न्यूज । ऑकलैंड
11 जुलाई (एजेंसी)

न्यूजीलैंड में पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि आज 40 साल बाद भारत का कोई पीएम न्यूजीलैंड आया है।

प्रधानमंत्री के रूप में भले ही मेरा पहला न्यूजीलैंड दौरा था, लेकिन 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे न्यूजीलैंड आना का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में तीन चीजें दी थीं- एक मफलर, दूसरा कैप और तीसरा दस्ताना। उसमें से एक चीज में अभी मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। ये मफलर 25-30 साल पहले मुझे न्यूजीलैंड के एक साथी ने दिया था। इतने साल में मैंने कई बार इसे उपयोग किया और आज भी इसे संभाल कर रखा हूं, जैसे आपके प्यार को संभालकर रखता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों की अर्थव्यवस्था देश की तकदीर कैसे बदल सकती है, यह न्यूजीलैंड ने करके दिखाया। यह भारत के छोटे किसानों के लिए बड़ी सीख है। पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड में शहद उत्पादन का भी जिक्र किया और कहा कि छोटे किसान भी बाजार में ब्रांड बन सकते हैं।

रग्बी खेल में न्यूजीलैंड करे भारत का सहयोग

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड और भारत रग्बी खेल में भी एक-दूसरे का सहयोग कर सकते हैं। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। भारत भी रग्बी खेल में आगे बढ़े, इसके लिए हमें कोच और एक्सपर्ट्स चाहिए। भारत के भुवनेश्वर में अभी हाल में ही भारत और न्यूजीलैंड के कोचिंग प्रोग्राम को मैं अच्छी शुरुआत मानता हूं।

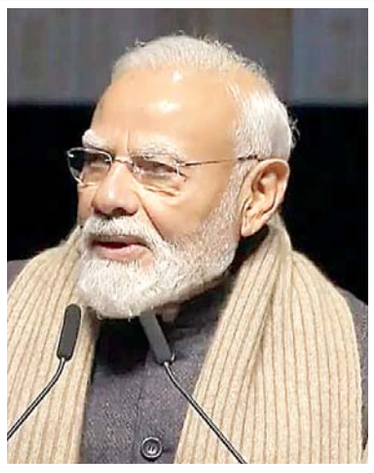

भारत-न्यूजीलैंड वाका नए सफर पर निकलने के लिए तैयार

पीएम मोदी ने कहा, जब मेरा यहां आने का कार्यक्रम बना था, तो मैं इसे अपने साथ लेकर आया। भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते को न्यूजीलैंड की सुंदर परम्परा, अच्छे से डिफाइन करती है। यहां सदियों से एक शब्द लोगों को जोड़ता आया है- वाका। वाका सिर्फ एक नाव का नाम नहीं है, वाका हमारी शेयर्ड जर्नी का प्रतीक है।

अब भारत-न्यूजीलैंड की यही वाका एक नए सफर पर निकलने के लिए तैयार है। हमारे सामने अवसरों से भरा खुला समुद्र है। हवाएं हमारे साथ हैं, समंदर की विशाल लहरें हमारे साथ हैं। इच्छाशक्ति का नीला आसमान हमारे साथ है। पाने को काफी कुछ है और मैं जानता हूं हम सफल होंगे। मुझे इस यात्रा की सफलता पर पूरा भरोसा है, क्योंकि इसके असली नाविक आप सभी हैं। न्यूजीलैंड के कोने-कोने में फैला भारतीय समुदाय इस जर्नी का एक नाविक है।

हरियाणा में शराब की हर बोतल पर रहेगी सरकार की नजर

सीएम सैनी ने लांच किया ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम, तस्करी पर लगेगी लगाम

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
11 जुलाई (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को शराब के लिए एक अपग्रेडेड QR कोड-बेस्ड ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम और आठ ऑनलाइन आबकारी सेवाओं की शुरुआत की। इसका मकसद डिजिटल गवर्नेंस के ज़रिए पारदर्शिता बढ़ाना, रेगुलेटरी निगरानी को मज़बूत करना और राज्य के रेवेन्यू को बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने आबकारी और कराधान विभाग के हरियाणा विज़न-2047 रोडमैप, मुख्यमंत्री की घोषणाओं और विभागीय प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए इसे लांच किया। अपग्रेडेड ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम के तहत, शराब की हर बोतल को एक यूनिक क्यूआर कोड दिया जाएगा, जिससे अधिकारी डिस्टिलरी और बॉटलिंग प्लांट से लेकर थोक वितरकों और खुदरा दुकानों तक इसकी आवाजाही पर नज़र रख सकेंगे।

सीएम ने शुरू की आठ ऑनलाइन आबकारी सेवाएं

सरकार ने कहा कि यह सिस्टम अवैध शराब की बिक्री को रोकने, आबकारी कानूनों का पालन बेहतर बनाने, टैक्स चोरी और तस्करी की जांच करने और सप्लाई चेन की रियल-टाइम निगरानी में मदद करेगा।

सीएम सैनी ने आठ ऑनलाइन आबकारी सेवाएं भी शुरू कीं, जिनमें कॉन्सर्ट, प्रदर्शनी और अन्य कार्यक्रमों जैसे सामाजिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए शराब परोसने के अस्थायी लाइसेंस ऑनलाइन जारी करना शामिल है।

नई डिजिटल सेवाओं में मैरिज पैलेस और बैंक्वेट हॉल का सालाना रजिस्ट्रेशन, डीनेचर्ड स्पिरिट आउटलेट के लिए लाइसेंस, औद्योगिक और औषधीय स्पिरिट रखने के लिए परमिट और खुदरा शराब की दुकानों के संचालन के घंटे बढ़ाने की मंजूरी भी शामिल है। सरकार के अनुसार, ये सेवाएं पूरी तरह से पेपरलेस वर्कफ्लो पर विकसित की गई हैं, जिससे आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकते हैं और सात कामकाजी दिनों के भीतर मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं।

वन-टाइम सेटलमेंट स्कीम का फायदा उठाने की अपील

ऑटोमेटेड प्रोसेसिंग से मानवीय हस्तक्षेप कम होने और लाइसेंसिंग प्रक्रिया के अधिक पारदर्शी और कुशल बनने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरे राज्य में नई प्रणालियों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान, सैनी ने टैक्सपेयर्स से वन-टाइम सेटलमेंट स्कीम (OTS)-2026 का लाभ उठाने का भी आग्रह किया। यह योजना 1 जून से लागू हुई है और इसका मकसद प्री-GST टैक्स कानूनों (जैसे VAT, CST और हरियाणा जनरल सेल्स टैक्स एक्ट) के तहत बकाया राशि का निपटान करना है। इस योजना के तहत, टैक्सपेयर्स पेनल्टी और ब्याज में 100 प्रतिशत छूट के साथ-साथ अलग-अलग स्लैब में देय टैक्स में भी छूट के पात्र हैं।

पंजाब कांग्रेस में फिर बढ़ी रार, वडिंग के खिलाफ खुला मोर्चा

बघेल नहीं मिटा सके मतभेद, पंजाब कांग्रेस में बढ़ी गुटबाजी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
11 जुलाई (एजेंसी)

पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल के बाद नेतृत्व को लेकर अंदरूनी खींचतान फिर खुलकर सामने आ गई है। पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल की नाराज नेताओं से बातचीत के बावजूद विवाद थमता नहीं दिख रहा। सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बिना नाम लिए कहा कि पार्टी को ठोक कर बोलने वाला नेता चाहिए, कॉम्प्रोमाइज्ड लीडर नहीं। उनके इस बयान को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर निशाना माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी इस दौरान उनके साथ मौजूद रहे, जिससे चन्नी गुट की नाराजगी और स्पष्ट हो गई।

दूसरी ओर, भूपेश बघेल ने दोहराया कि पंजाब कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर आलाकमान के फैसले में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में सभी नेताओं को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन पार्टी का निर्णय अंतिम है। 'कॉम्प्रोमाइज्ड लीडर' संबंधी टिप्पणी पर बघेल ने कहा कि उनकी जिम्मेदारी है कि कोई भी नेता भाजपा या आम आदमी पार्टी से किसी तरह का समझौता न करे।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पर हुई बैठक में चन्नी गुट के नेताओं, विधायकों और पूर्व उम्मीदवारों ने एक स्वर में राजा वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग उठाई। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिलाया कि उनकी बात पार्टी आलाकमान तक पहुंचाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने 1 जुलाई को पंजाब के लिए नई संगठनात्मक टीम की घोषणा की थी और राजा वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा था। इसी फैसले से असंतुष्ट चन्नी गुट पहले बघेल की बैठकों से दूर रहा, हालांकि बाद में वरिष्ठ नेताओं की पहल पर बातचीत हुई। बावजूद इसके, नेतृत्व को लेकर मतभेद बरकरार हैं और पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी फिलहाल खत्म होती नहीं दिख रही।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

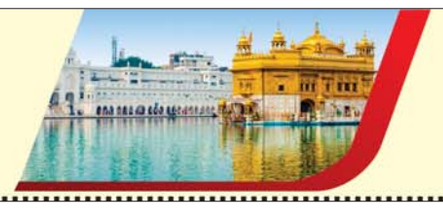

संक्षिप्त न्यूज़

पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ लगाना बेहद जरूरी : प्रिंसिपल जसविंदर सेठी

अमृतसर (साहिब दयाल) दिन-बदिन बढ़ रही ग्लोबल वार्मिंग ने अब अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है और धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है। यह सब पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण हुआ है। इन शब्दों का प्रकटावा माउंट लिट्रा जी स्कूल अमृतसर, थांदे के प्रिंसिपल एवं रोशनी वूमेन वेल्फेयर सोसायटी के प्रेजिडेंट जसविंदर सेठी ने पर्यावरण के संरक्षण में व्यक्त किए। जसविंदर सेठी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित किया और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए उत्साहित किया। जसविंदर सेठी ने बताया कि हमारी संस्था पिछले कई वर्षों से शहर को हरा-भरा बनाने के मकसद से लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंनो कहा कि पेड़ लगाना न केवल आज की जरूरत है, बल्कि अगर हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ और ताजी हवा वाला पर्यावरण बनाना चाहते हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों के माता-पिता से अपील करती हूं कि अपने घर में एक पौधा जरूर लगाएं ताकि हम पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने में योगदान दे सकें।

सिविल सर्जन डॉ. रश्मि विज ने सफाई के प्रति किया जागरूक

अमृतसर (साहिब दयाल) बरसात के मौसम में मच्छरों से फैलने वाली खतरनाक बीमारियों डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से बचाव के लिए अमृतसर के सिविल सर्जन डॉ. रश्मि विज ने घरों के गमलों, खाली प्लॉटों, कूलरों तथा अन्य स्थानों पर जमा पानी की जांच कर मच्छरों के लारवा को नष्ट करने और डेंगू से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि विज ने कहा कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरों के लार्वा का समय रहते नष्ट करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार के निर्देशों तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विशेष अभियान चलाकर विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर स्लम एरिया, बगीचे, कारखाने और फैक्ट्रियों में जाकर लार्वा नष्ट करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए किसी भी प्रकार का कूड़ा-कचरा नालियों अथवा सीवरेज में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने स्कूली छात्राओं को सूखा और गीला कचरा अलग-अलग डस्टबिन में डालने की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे। साथ ही अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पक्षियों के लिए वाटर पॉट और फीड बॉक्स लगाने का भी आह्वान किया गया।

मासूम बेटियों की सुरक्षा से समझौता नहीं, दोषियों को दी जाए सख्त सजा : पंडित गिरधारी लाल

अमृतसर (साहिब दयाल) राजस्थान में 13 वर्षीय मासूम बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म एवं यौन शोषण के मामले में शिव सेना छत्रपति शिवाजी के राष्ट्रीय धर्म प्रचारक पंडित गिरधारी लाल ने चिंता और आक्रोश व्यक्त किया। पंडित गिरधारी लाल ने कहा कि बेटियां पूरे समाज का सम्मान हैं और उनके साथ होने वाले ऐसे जघन्य अपराध किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक हैं। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई या राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए तथा जांच पूरी निष्पक्षता व तेजी से की जाए। यदि जांच में यह सामने आता है कि जिस होटल या अन्य स्थान पर यह अपराध हुआ, उसके मालिक, प्रबंधक अथवा अन्य कर्मचारी किसी भी प्रकार से अपराध में शामिल थे, सहयोगी थे या अपराध को छिपाने का प्रयास किया, तो उनके विरुद्ध भी समान रूप से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पंडित गिरधारी लाल ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा केवल सरकार की ही नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार ऐसे मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालतों में प्राथमिकता के आधार करवाए तथा पूरे देश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

IGNOU के जुलाई 2026 सत्र में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई है

जीरा, 11 जुलाई (अंग्रेज बराड़) – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) के जुलाई 2026 सत्र के लिए नए प्रवेश और पुन: पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए संत कबीर कॉलेज जीरा के प्रबंध निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह और समन्वयक डॉ. वीरपाल ने बताया कि IGNOU ने जुलाई 2026 सत्र के लिए प्रवेश और पुन: पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 निर्धारित की है। उन्होंने छात्रों से निर्धारित समय से पहले ऑनलाइन या संत कबीर कॉलेज, जीरा पहुंचकर आवेदन जमा करने की अपील की। डॉ. सुखदेव सिंह ने कहा कि यह स्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों जैसे बीए, बीकॉम, बीएससी, बीसीए, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक और पर्यटन अध्ययन आदि में प्रवेश का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि IGNOU कार्यरत व्यक्तियों, कामकाजी पेशेवरों, गृहिणियों और अन्य छात्रों को कम लागत पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। इस अवसर पर समन्वयक डॉ. वीरपाल ने बताया कि एमए, एमकॉम, एमएससी, एमसीए और एमएसडब्ल्यू सहित विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी और सहायता के लिए छात्र संत कबीर कॉलेज, जीरा से संपर्क कर सकते हैं।

43 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजनाओं का उद्घाटन, 45 हजार एकड़ भूमि को मिलेगा नहरी पानी

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
11 जुलाई (संदीप सन्नी)

पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने गुरदासपुर दौरे के दौरान किसानों को बड़ी सौगात देते हुए रियाड़की राजबाह सिस्टम के सुदृढ़ीकरण तथा खेतों के पक्के खालों के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। करीब 43 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र की लगभग 45 हजार एकड़ कृषि भूमि को बेहतर नहरी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्री गोयल ने बताया कि रियाड़की राजबाह सिस्टम के अंतर्गत नहरों और सठियाली राजबाह की 69 किलोमीटर लंबी कंक्रीट लाइनिंग पर लगभग 30.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि 45.73 किलोमीटर लंबे खेतों के खालों को पक्का करने पर 12.20 करोड़ रुपये की लागत आई है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को रिकॉर्ड समय में पूरा कर किसानों को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार नहरी सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने और गिरते भूजल स्तर को बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस परियोजना के बाद रियाड़की राजबाह सिस्टम की जल वहन क्षमता 215 क्यूसेक से बढ़कर 385 क्यूसेक हो गई है, जिससे किसानों को अधिक और नियमित पानी उपलब्ध हो सकेगा।

उन्होंने दावा किया कि पहले पंजाब के हिस्से का केवल 26 प्रतिशत नहरी पानी ही सिंचाई में उपयोग हो पाता था, जबकि अब यह आंकड़ा लगभग 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है और इसे 86 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री गोयल ने कहा कि पिछले वर्ष बाढ़ के दौरान चिन्हित सभी संवेदनशील तटबंधों और कमजोर स्थानों को समय रहते मजबूत कर दिया गया है।

उन्होंने अधिकारियों के साथ गुरदासपुर-नबीपुर ड्रेन का दौरा कर सफाई कार्यों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए व्यापक स्तर पर सफाई करवाई जा रही है ताकि बरसात के दौरान जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति से बचा जा सके।

इस दौरान मंत्री ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य में मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री मावां-धियां सत्कार योजना, खेल सुविधाओं के विस्तार तथा युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराने जैसे कदम उठाए गए हैं।

कार्यक्रम में गुरइकबाल सिंह माहल, रमन बहल, नहरी विभाग और ड्रेनेज विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनगणना में आदि धर्म के खाने की बहाली के लिए समस्त संत समाज को एकजुट होने का आह्वान : संत सतविंदर हीरा

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर
11 जुलाई (तरसेम दीवाना)

भारत की सदियों से दबी-कुचली और रौंदी गई जातियों के संवैधानिक हकों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए आदि धर्म के महान रहबरों बाबू मंगू राम मुगोवालिया, बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर और बाबू कांशी राम ने एक लंबा और ऐतिहासिक संघर्ष लड़ा है। इन महान रहबरों की बदौलत ही हमें समानता का जीवन जीने का अधिकार मिला और हमारी गौरवमयी पहचान के रूप में आदि धर्म स्थापित हुआ। साल 1931 की मर्दुम शुमारी (जनगणना) के दौरान यह खाना सरकारी तौर पर मौजूद था, जिसमें लाखों लोगों ने अपना धर्म आदि धर्म दर्ज करवाया था। पर बड़े अफसोस की बात है कि समय की हुक्मरानों सरकारों की बदनीयती और साजिशों के कारण इस ऐतिहासिक खाने को सरकारी दस्तावेजों से हटा दिया गया। इन विचारों का प्रकटावा करते हुए आल इंडिया आदि धर्म मिशन (रजि.) भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत सतविंदर हीरा ने समूह संत समाज, धार्मिक, सामाजिक और पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी वर्ग से अपील की कि हमें अपने अस्तित्व को बचाने और जनगणना में आदि धर्म का खाना पुन: स्थापित करवाने के लिए एक बड़े और साझा संघर्ष का बिगुल बजाना चाहिए, जिसकी अगुवाई पंजाब के आदरणीय संत समाज को आगे होकर करनी पड़ेगी। उन्होंने समूह संतों के चरणों में विनती की कि आओ, आपसी विचारों के सब मतभेद भुलाकर, सतगुरु रविदास महाराज जी की क्रांतिकारी वाणी द्वारा दर्शाए एकता, आपसी भाईचारे और समानता के संदेश को मंजिल तक पहुंचाएं और बेगमपुरा के साझा प्लेटफार्म पर एकत्रित होकर इस मुहिम को आगे बढ़ाएं। संत सतविंदर हीरा ने विशेष तौर पर गुरु रविदास साधु संप्रदाय सोसाइटियों (रजि.) पंजाब के समूह एग्जीक्यूटिव सदस्यों, विभिन्न डेरों के महापुरुषों और समाज के सूझवान नेताओं का दिल की गहराइयों से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आदि धर्म मिशन इन सभी महापुरुषों का सदा ऋणी रहेगा, जिन्होंने रहबरों द्वारा चलाए आदि धर्म के अस्तित्व को कायम रखने के लिए इसके नारे को बुलंद किया है और संगत को जनगणना में अपना धर्म आदि धर्म लिखवाने के लिए प्रेरित करके एक बहुत ही सराहनीय संदेश जारी किया है।

वेव एस्टेटवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग हुई पूरी, मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन संपन्न

» प्रथम न्यूज । मोहाली
11 जुलाई (सुरिन्दर पाल)

वेव एस्टेट में आज सनातन धर्म सभा द्वारा प्रस्तावित मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन का पावन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, पंजाब के स्टेट प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभ्भा तथा वार्ड नंबर 41 की पार्षद (एम.सी.) गुरप्रीत कौर उभ्भा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर समस्त वेव एस्टेटवासियों एवं सनातन धर्म सभा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर हरदेव सिंह उभ्भा एवं पार्षद गुरप्रीत कौर उभ्भा ने कहा कि वेव एस्टेट के निवासियों की लंबे समय से यह मांग थी कि क्षेत्र में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो। आज भूमि पूजन के साथ इस सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और शुभ शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण की शुरुआत नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मंदिर हमारी आस्था, सेवा, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत के केंद्र होते हैं। ऐसे धार्मिक स्थल समाज में आपसी भाईचारे, सद्भावना और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो तथा यह पावन धाम समस्त वेव एस्टेट एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए आस्था, सेवा और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बने। इस अवसर पर सनातन धर्म सभा के पदाधिकारी, समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में वेव एस्टेट के निवासी उपस्थित रहे।

पिछले साल जैसी बाढ़ की तबाही को रोकने के लिए रावी नदी में युद्ध स्तर पर डी-सिल्टिंग जारी

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
11 जुलाई (संदीप सन्नी)

गुरदासपुर जिले में पिछले वर्ष मानसून के दौरान आई भीषण बाढ़ से हुए भारी नुकसान को देखते हुए पंजाब सरकार का जल संसाधन विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों को भविष्य में बाढ़ जैसी आपदाओं से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रावी नदी में वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से डी-सिल्टिंग का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

जल संसाधन विभाग, गुरदासपुर के एक्सईएन इंजीनियर गुरवीर सिंह ने बताया कि नदियों में समय के साथ गार, रेत और मलबा जमा होने से उनकी प्राकृतिक जल निकासी क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण मानसून के दौरान पानी लंबे समय तक खेतों और आबादी वाले क्षेत्रों में ठहर जाता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से डी-सिल्टिंग को बाढ़ नियंत्रण की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया माना जाता है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष रावी नदी के तेज बहाव के कारण जिले में 50 स्थानों पर तटबंध टूट गए थे, जिससे 329 गांव प्रभावित हुए थे। इस प्राकृतिक आपदा में एक व्यक्ति की जान चली गई थी और 610 मवेशियों की भी मौत हुई थी। इसके अलावा 73,433 एकड़ कृषि भूमि की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई थीं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा था।

इंजीनियर गुरवीर सिंह ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद नदी के तल में बड़ी मात्रा में सिल्ट और अन्य सामग्री जमा हो गई थी, जिससे नदी की प्राकृतिक धारा और जल वहन क्षमता प्रभावित हुई। इस समस्या के समाधान के लिए विभाग ने विस्तृत सर्वेक्षण करवाकर प्रभावित क्षेत्रों की पहचान की और भारत सरकार के 'नेशनल फ्रेमवर्क फॉर सेडिमेंट मैनेजमेंट' के दिशा-निर्देशों के अनुसार परियोजना तैयार की। इस परियोजना को स्टेट टेक्निकल एडवाइजरी कमेटी द्वारा भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

उन्होंने बताया कि डी-सिल्टिंग कार्य की निगरानी आधुनिक डिजिटल जियो-फेंसिंग तकनीक के माध्यम से की जा रही है। विभाग के अधिकारी प्रत्येक चरण पर नजर रख रहे हैं ताकि खुदाई केवल स्वीकृत क्षेत्र में ही हो और पारदर्शिता बनी रहे। वर्तमान में धर्मकोट पत्तन के पास रावी नदी में यह कार्य तेजी से चल रहा है। नदी से निकाली जा रही गार और रेत को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित किया जा रहा है। मानसून के दौरान इन सामग्रियों का उपयोग कमजोर तटबंधों को मजबूत करने तथा आपातकालीन स्थिति में रेत की बोरियां तैयार करने के लिए किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग जिले के लोगों की जान-माल, फसलों और आजीविका की सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। मानसून की भारी बारिश शुरू होने से पहले रावी नदी के प्राकृतिक बहाव को बहाल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 20 लाख की ठगी, साइबर थाना पुलिस ने एक आरोपी दबोचा

लुधियाना, (शाम सुन्दर सरपाल) कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना के साइबर क्राइम थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर एक वरिष्ठ नागरिक से 20 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर वरिष्ठ नागरिक को झूठे मामले में फंसाने और डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी। डर और मानसिक दबाव का फायदा उठाते हुए उन्होंने पीड़ित से 20 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए। मामले की जांच के दौरान साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर ठगी में शामिल अन्य आरोपियों, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल साक्ष्यों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही, डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच भी जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। कमिश्नरेट पुलिस ने आम नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग या किसी अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट या कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर पैसे मांगता है, तो उस पर विश्वास न करें। ऐसे मामलों की तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या निकटतम साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भवन्स हेल्थ केयर सेंटर ऑन व्हील्स को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मानवता की सेवा में भारतीय विद्या भवन का योगदान अनुकरणीय : गुलाब चंद कटारिया

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
11 जुलाई (साहिब दयाल)

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज न्यू अमृतसर में भारतीय विद्या भवन द्वारा शुरू किए गए भवन्स हेल्थ केयर सेंटर ऑन व्हील्स के अंतर्गत मोबाइल स्वास्थ्य सेवा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मोबाइल स्वास्थ्य सेवा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नि:शुल्क सामान्य स्वास्थ्य जांच तथा दंत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने भारतीय विद्या भवन की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट है, जिसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं दंत चिकित्सा की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारतीय विद्या भवन शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य कर रहा है और यह मोबाइल स्वास्थ्य सेवा अन्य संस्थाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने लोगों से भी ऐसी समाजसेवी पहलों में बढ़-चढ़कर सहयोग करने का आह्वान किया। इससे पूर्व राज्यपाल ने भवन आश्रय स्थित वरिष्ठ नागरिक गृह एवं मानसिक दिव्यांगता केंद्र का दौरा कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर भारतीय विद्या भवन के अध्यक्ष श्री अविनाश महेंद्रू ने बताया कि मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के लिए शहर में तीन स्थान निर्धारित किए गए हैं। इनमें फैजपुरा सरकारी प्राथमिक विद्यालय एवं रंजीत एवेन्यू ब्लॉक के पीछे, गली बांके बिहारी टी-पॉइंट, पन्ना मिल, बटाला रोड तथा भारतीय विद्या भवन-2, गेट नंबर-22 शामिल हैं, जहां प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दंत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर भारतीय विद्या भवन के अध्यक्ष श्री अविनाश महेंद्रू, ट्रस्टी श्री एस.एन. जोशी, निदेशक डॉ. अनीता भल्ला, श्री अनिल सिंगल, प्राचार्या श्रीमती सोनिया सहदेव, श्री अश्विनी मल्होत्रा, विधायक श्री कुंवर विजय प्रताप सिंह, पूर्व महापौर श्री बख्शी राम अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री वी.पी. सिंह, आईएएस, डीआईजी सुरक्षा श्री जसदेव सिंह, एडीसी (पी) श्री रणधीर सिंह, उपायुक्त श्री दलविंदरजीत सिंह, पुलिस आयुक्त श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर, संस्था के पदाधिकारी, स्टाफ सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आप पार्टी के विधायको के पुत्रमोह ने 2000 करोड़ के विकास कार्यों पर लगाया ग्रहण, निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बना: परवीन बंसल

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
11 जुलाई (शाम सुन्दर सरपाल)

विधानसभा उत्तरी के भाजपा प्रभारी परवीन बंसल ने लुधियाना के मौजूदा विधायक और मेयर की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी नासमझी के कारण शहर के करीब 2000 करोड़ रुपये के विकास कार्य ठप हो गए हैं। यह रोक माननीय हाईकोर्ट के आदेश के बाद लगी है।

बंसल ने कहा कि नगर निगम के गठन के समय से ही गलत नीतियों के कारण इस संस्था पर ग्रहण लग गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एक सीनियर डिप्टी मेयर को छोड़कर चार-चार बार के अनुभवी पार्षदों को दरकिनार कर दिया गया। विधायक ने अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए जानबूझकर नए और अनुभवहीन पार्षदों के हाथों में लुधियाना की बागडोर सौंप दी। इसी कारण मैनचेस्टर ऑफ इंडिया कहे जाने वाला लुधियाना आज अपना मान-सम्मान खो बैठा है।

उन्होंने कहा कि नगर निगम एक्ट 1976 के अनुसार फाइनेंस कमेटी के दो सदस्य पूरा हाउस चुनता है और परंपरा के अनुसार एक सदस्य विपक्ष से भी लिया जाता है। लेकिन यहां नियमों को ताक पर रखकर विधायक ने अपने पुत्रों को ही फाइनेंस कमेटी का सदस्य नियुक्त कर दिया।

परवीन बंसल ने कहा, आप ही विधायक, आप ही कानूनी सलाहकार और आप ही फाइनेंस कमेटी। कार्यालयों में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर लगाने वाले आज उनके संविधान का ही मजाक उड़ा रहे हैं। दाल में काला सुना था, अब तो पूरी दाल ही काली हो गई है। कट्टर ईमानदारी का दावा हवा हो गया।

अंत में उन्होंने कहा कि नगर निगम अब कारपोरेशन नहीं बल्कि *करप्शन का अड्डा बनती जा रही है।

शहर की बेहतरी के लिए जनता को इनके खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी क्योंकि अच्छे शहर और अच्छे समाज के लिए अच्छे प्रतिनिधियों की जरूरत है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

1971 युद्ध के वीर पूर्व सैनिक नायक संत राम ठाकुर को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई, पूर्व सैनिक लीग ने दी श्रद्धांजलि

अर्की (योगेश चौहान)- उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत कोटली के कोठी गांव के निवासी तथा भारतीय सेना की तोपखाना (आर्टिलरी) रेजिमेंट के पूर्व सैनिक नायक संत राम ठाकुर को सैन्य परंपराओं के अनुरूप अंतिम विदाई दी गई। उनके पार्थिव शरीर पर राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) अर्पित कर पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर पूर्व सैनिक लीग अर्की की ओर से वरिष्ठ उपाध्यक्ष सेवानिवृत्त कैप्टन प्रेमचंद चौहान, उपाध्यक्ष सूबेदार मेंजर बलदेव राज सहगल तथा सचिव सूबेदार मेजर भूपाल सिंह छेत्री सहित अन्य ने दिवंगत पूर्व सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पार्थिव शरीर पर तिरंगा ओढ़ाकर पुष्पचक्र (रीथ) अर्पित किया तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

पूर्व सैनिक लीग के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व सैनिक केवल सेवा निवृत्त सैनिक नहीं होते, बल्कि राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा के जीवंत प्रतीक होते हैं। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी वे समाज, युवाओं और देशहित के कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहते हैं। किसी भी पूर्व सैनिक के निधन पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई देना उनके त्याग, समर्पण और राष्ट्र सेवा के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

गौरतलब है कि नायक संत राम ठाकुर 29 सितंबर 1965 को भारतीय सेना की तोपखाना रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक देश की सेवा की और 1 अक्टूबर 1980 को सेवानिवृत्त हुए। वे 1971 के भारत-पाक युद्ध के भी वीर योद्धा रहे। 80 वर्ष की आयु में उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। अपने पीछे वे तीन पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीओरोबिंदो स्कूल बद्दी की रीना कंवर व हरप्रीत ठाकुर के शोध पत्र अव्वल रहा

बद्दी, 11 जुलाई (तारा) - श्री ओरोबिंदो पब्लिक स्कूल बद्दी कंप्यूटेशनल थींकिग एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ऐआई) के लिए तत्परता की आधारशिला के रूप में गणित की भूमिका विषय पर 'डीएलडी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के 36 शिक्षकों ने भाग लिया। जिसमें 12 प्रस्तुत कर्ताओं ने 11 केस पेपर प्रस्तुत किए। प्रस्तुत शोध पत्रों का मूल्यांकन 3 सदस्यीय प्रशंसा समिति की ओर से किया गया। जिसमें आईटी के सहायक प्राध्यापक विजय चावला , अधिवक्ता रूपा खत्री तथा पीजीटी गणित अनिल मेहता शामिल थे।

कार्यशाला में विभिन्न विषयों के शिक्षकों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। और बताया कि किस प्रकार गणितीय चिंतन के माध्यम से कंप्यूटेशनल थिंकिंग तथा ऐआई के लिए छात्रों को तैयार किया जा सकता है। प्रस्तुतियों में कंप्यूटर विज्ञान, इतिहास ,विज्ञान तथा भाषा जैसे विविध विषयों में कंप्यूटेशनल थिंकिंग के प्रभावी समावेशन पर विशेष बल दिया गया। ओरोबिंदो पब्लिक स्कूल का प्रतिनिधित्व करते हुए चार शिक्षकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। जिनमें ओरोबिंदो पब्लिक स्कूल बद्दी की रीना कंवर प्रथम, हरप्रीत ठाकुर द्वितीय, एवं बद्दी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के महेश राणा तृतीय स्थान पर रहे हैं। यह कार्यशाला शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विचार सहयोग तथा नवाचार पूर्ण विचारों के आदान-प्रदान का एक समृद्ध मंच सिद्ध हुई।

इसने छात्रों में 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करने तथा उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विषय को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए गणित और कंप्यूटेशनल थिंकिंग के समन्वय के महत्व को पुन: रेखांकित किया। विद्यालय के डायरेक्टर कर्नल केजेएस रंधावा ने सभी प्रतिभागियों की नवाचार पूर्ण प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शिक्षकों को अंतरविषयक शिक्षण दृष्टिकोण अपनाने और छात्रों को एआई आधारित विषय के लिए तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया।

ऊना में फायरिंग : अवैध शराब की टोह लेने पहुंचे कारोबारी के कारिंदे को मारी गोली, पूछताछ के दौरान बढ़ा विवाद

गगरेट (ब्यूरो)- उपमंडल गगरेट के जोह बह क्षेत्र के डंगोह खुर्द में शनिवार को दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। अवैध शराब के कारोबार की जानकारी जुटाने पहुंचे एक शराब कारोबारी के कारिंदे को गोली मार दी गई। गोली उसकी जांघ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, दौलतपुर चौक के एक शराब कारोबारी के कुछ कारिंदे निजी वाहन में सवार होकर जोह बह क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध शराब के कारोबार की टोह लेने पहुंचे थे। इसी दौरान उनका सामना डिंगोह खुर्द निवासी मोहिंदर सिंह उर्फ कोको से हुआ। कारिंदों ने उससे पूछताछ शुरू की, लेकिन देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद इतना बढ़ गया कि मोहिंदर सिंह उर्फ कोको ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायर कर दिया। गोली एक कारिंदे की जांघ में जा लगी और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली चलने की आवाज सुनते ही क्षेत्र में भगदड़ जैसे हालात बन गए, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया।

मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई मशीन का किया शुभारंभ

आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । शिमला
11 जुलाई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला के अटल इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज़, चमियाना (एआईएमएसएस) में अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई सुविधा का शुभारंभ किया। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला के बाद एआईएमएसएस प्रदेश का दूसरा सरकारी स्वास्थ्य संस्थान बन गया है, जहां यह उन्नत इमेजिंग तकनीक उपलब्ध करवाई गई है। लगभग 23 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई मशीन बेहतर गुणवत्ता की इमेजिंग, कम समय में जांच तथा अधिक सटीक निदान की सुविधा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से सुसज्जित करना वर्तमान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस उन्नत एमआरआई सुविधा के शुरू होने से विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभागों की निदान क्षमता अत्यधिक सुदृढ़ होगी, जिससे चिकित्सकों को जटिल बीमारियों का अधिक प्रभावी ढंग से पता लगाने और उनका उपचार करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब मरीजों को एमआरआई जांच के लिए संस्थान से बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत होगी तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च

प्राथमिकताएं हैं तथा इन दोनों महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए धन की कमी को आड़े नहीं आने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत चिकित्सकों से व्यापक विचार-विमर्श के पश्चात् पूरे प्रदेश में चिकित्सा तकनीक को उन्नत बनाने के लिए व्यापक सुधार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को सस्ती, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सरकार जहां एक ओर चिकित्सकों के रिक्त पद भर रही है, वहीं दूसरी ओर सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और आधुनिक निदान उपकरणों से लैस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग्य चिकित्सकों को सरकारी सेवाओं में बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी वेतनमान भी प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा के कारण वर्षों तक पुराने चिकित्सा उपकरणों का उपयोग होता रहा। उन्होंने कहा कि आईजीएमसी शिमला में 19 वर्ष पुरानी एमआरआई मशीन को हटाकर आधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई प्रणाली स्थापित की गई है तथा आने वाले वर्षों में प्रदेश के अन्य सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में भी इसी प्रकार की उन्नत मशीनें स्थापित कर दी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में 125 करोड़ रुपये की लागत से स्वचालित (ऑटोमेटेड) प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी, जहां अत्याधुनिक और पूरी तरह स्वचालित जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे जांच की सटीकता बढ़ेगी और मरीजों के उपचार में उल्लेखनीय सुधार होगा।

श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार एआईएमएसएस को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी यहीं शुरू की गई थी, जिसके पश्चात् डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा, आईजीएमसी शिमला तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नेरचौक में भी रोबोटिक सर्जरी सुविधा आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की सुविधा रियायती दरों पर उपलब्ध करवा रही है, जबकि निजी अस्पतालों में यह उपचार अत्यंत महंगा होता है। इसी प्रकार एमआरआई और पैट स्कैन जैसी जांच भी प्रदेश में न्यूनतम दरों पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधारों के माध्यम से सभी जांचों के लिए शून्य प्रतीक्षा अवधि सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने एआईएमएसएस चमियाना में चिकित्सकों के साथ बैठक कर संस्थान की कार्यप्रणाली की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि चमियाना संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और इसके लिए आवश्यक धनराशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवा दी गई है। संस्थान तक बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने के लिए ई-बस सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि संस्थान में सीनियर रेजिडेंट के पदों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही सरकार 800 नर्सिंग पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है तथा दिसंबर तक 200 एसोसिएट प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एआईएमएसएस मोबाइल एप्लीकेशन का भी शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से मरीज संस्थान और उसकी विभिन्न सेवाओं से संबंधित समस्त जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने संस्थान की स्वच्छता निगरानी प्रणाली का भी शुभारंभ किया, जिससे अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, विधायक हरीश जनारथा, नगर निगम शिमला महापौर सुरेन्द्र चौहान, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी, एआईएमएसएस के प्रधानाचार्य डॉ. बृज शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सुक्खू से Utimaco/ITJINI कंपनी के प्रतिनिधियों की शिष्टाचार भेंट

आपदा प्रबंधन सॉफ्टवेयर का मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण

» प्रथम न्यूज । शिमला
11 जुलाई (एएम नाथ)

ओक ओवर में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से मुंबई स्थित timaco/ITJINI कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने द्वारा विकसित आधुनिक आपदा प्रबंधन सॉफ्टवेयर का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण के दौरान सॉफ्टवेयर की प्रमुख विशेषताओं, कार्यप्रणाली तथा प्राकृतिक और अन्य आपदाओं के दौरान त्वरित सूचना प्रबंधन, समन्वय और प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह तकनीक आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और समय पर निर्णय लेने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए कहा कि विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थाओं के साथ होने वाला संवाद हमेशा नए दृष्टिकोणों, नवीन तकनीकों और अनुभवों को जानने-समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सक्षम, त्वरित और परिणामोन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनहित से जुड़े क्षेत्रों में नवाचार और तकनीकी समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस प्रकार के विचार-विमर्श भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर रणनीति तैयार करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

इलैक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सकों ने मान्यता की मांग उठाई, सांसद को सौंपा ज्ञापन

इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सकों की मांगों पर सांसद राजीव भारद्वाज बोले, केंद्र से करेंगे चर्चा

» प्रथम न्यूज । डलहौजी
11 जुलाई (सुरेंद्र भवानी)

इलैक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रवि कुमार रबिसन के नेतृत्व में चंबा-कांगड़ा लोकसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा। संघ ने केंद्र सरकार से इलैक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मान्यता दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा भारत सरकार द्वारा गठित समिति की सिफारिशों को शीघ्र लागू करने की मांग की। चिकित्सकों का कहना था कि इससे देशभर में निजी स्तर पर सेवाएं दे रहे लाखों इलैक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सकों को राहत मिलेगी और चिकित्सा पद्धति को व्यवस्थित पहचान मिल सकेगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि इलैक्ट्रोहोम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में लंबे समय से लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। ऐसे में इस पद्धति को उचित मान्यता मिलने से मरीजों और चिकित्सकों दोनों को लाभ होगा। उन्होंने सरकार से इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने कहा कि इलैक्ट्रोहोम्योपैथी हर्बल औषधि विज्ञान पर आधारित चिकित्सा पद्धति है, जिससे कई दशकों से लोग लाभान्वित होते रहे हैं। उन्होंने चिकित्सकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह इस विषय को व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष उठाएंगे तथा आवश्यक चर्चा कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार आयुष और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के विकास एवं विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सकारात्मक पहल जारी है।

कार्यक्रम में राज्य संयोजक सुरेंद्र ठाकुर, महामंत्री सत्य प्रकाश, सचिव प्रवीण कौंडल, हेडा सलाहकार समिति के समन्वयक डॉ. उत्तम सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी मौजूद रहे। ज्ञापन के माध्यम से चिकित्सकों ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र निर्णय लेगी।

एचआरटीसी की बदहाली पर जयराम का सरकार पर हमला

नेता प्रतिपक्ष ने एचआरटीसी की खराब व्यवस्था, कर्मचारियों के लंबित वेतन और पेंशनरों की मांगों को लेकर सुक्खू सरकार को घेरा

» प्रथम न्यूज । शिमला
11 जुलाई (बी.शर्मा)

प्रदेश में हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बिगड़ती व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि टायरों और स्पेयर पार्ट्स की कमी के कारण निगम में जुगाड़ के सहारे बसों का संचालन किया जा रहा है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा से समझौता हो रहा है।

शनिवार को जारी बयान में जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले सहित कई डिपो में आवश्यक सामान की कमी के चलते एक बस के टायर निकालकर दूसरी बस में लगाए जाने जैसी खबरें बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में सरकारी बसें धक्का लगाकर स्टार्ट की जा रही हैं, जबकि अनेक बसें टायर और जरूरी कलपुर्जों के अभाव में कार्यशालाओं में खड़ी हैं। उनका आरोप है कि कई ग्रामीण और महत्वपूर्ण रूट बंद कर दिए गए हैं, जबकि कई स्थानों पर खस्ताहाल बसों का संचालन कर यात्रियों की जान जोखिम में डाली जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एचआरटीसी के चालक-परिचालकों और अन्य कर्मचारियों को समय पर वेतन एवं भत्ते नहीं मिल रहे हैं, जिससे उनका मनोबल प्रभावित हुआ है। वहीं, पेंशनरों की लंबित मांगों और एरियर का भुगतान न होने से उनमें भी सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि यदि निगम की व्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं किया गया तो लोगों का सरकारी परिवहन सेवा से भरोसा उठ जाएगा। उन्होंने निगम की वित्तीय स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि केवल घोषणाओं से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे।

उन्होंने सरकार से मांग की कि एचआरटीसी के लिए तत्काल पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जाए, टायर और स्पेयर पार्ट्स की कमी दूर की जाए, बंद पड़े रूट बहाल किए जाएं तथा कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके।

पंचायत में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव पारित किया

पुलिस से भूपपुर साई मार्ग पर गश्त बढाने की मांग की, किन्नरों को बधाई के रूप में दिए जानेवाले बधाई की राशि फिक्स की

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
11 जुलाई (तारा)

विकास खंड पट्टा की साई पंचायत की ग्राम सभा में पंचायत में सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगेने, किन्नरों को दिए जाने वाले बधाई की राशि फिक्स की गई। बैठक मे प्रस्ताव पारित कर पंचायत में विकास योजनाओं को मंजूरी दी गई। साई की पहली ग्राम सभा में पंचायत की नवनिर्वाचित प्रधान सुमन लता की अध्यक्षता में की। जिसमें पंचायत प्रधान सुमन लता ने सभी का भारी बारिश होने के बावजूद ग्राम सभा में पहुंचने पर हार्दिक स्वागत किया तथा सभी पंचायत प्रतिनिधियों को जीतने पर बधाई व सभी पंचायत वासियों का आभार व्यक्त किया।

इसके साथ ही इस ग्राम सभा में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा तथा ऐतिहासिक प्रस्ताव भी पास किए गए। जिसमें गांव की समस्याओं और आगामी योजनाओं जैसे पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, वीबीजी रामजी, बीपीएल लाभार्थी जैसीऔर भी कई योजनाओं और मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत में और भी प्रस्ताव पारित हुए जिसमें पंचायत वासियों की सुरक्षा व सुविधा हेतु एसपी महोदय को प्रस्ताव लिखा गया जिसमें सीसीटीवी कैमरे लगानेऔर वर्धमान चौक रोड से साई रोड तक शाम के समय गश्त बढ़ाने का फैसला लिया गया ताकि आपराधिक गतिविधियों के ऊपर रोक लगाई जा सके।

पंचायत की सर्व सम्मति से यह भी प्रस्ताव पास किया गया कि किन्नरों को जन्मदिन परबधाई के रुप में 1100 और शादी के 2100 रुपये देने फिक्स किए। यह ग्राम वासियों की काफी लंबे समय से मांग थी।और वहां पर उपस्थित अन्य बुद्धिजीवी और आए हुए विभागों के लोगों ने भी अपने-अपने विचार रखे और अपनी योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया अंत में पंचायत प्रधान , उप प्रधान और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से आए हुए विभाग के अधिकारियों ने वहां पर आए हुए सभी लोगों को निशुल्क पौधे भी वितरित करवाए। नवनिर्वाचित उप प्रधान हरजीत सिंह सहित सभी वार्ड सदस्य , फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से अधिकारी , बागवानी विभाग से आशा , गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से प्रिंसिपल विवेक चौधरी, पूर्व प्रधान चेतराम,पूर्व प्रधान निर्मला, पूर्व पंचायत बीडीसी उपाध्यक्ष प्रेमचंद ठाकुर, आर्मी से रिटायर्ड सूबेदार निकाराम, राम लाल मौजी एवं महिला मंडल तालड़ व महिला मंडल टाली, ग्राम पंचायत साई से पंचायत सचिव ,तकनीकी सहायक सहित सभी कर्मचारी एवं 200 से ज्यादा लोग मौजूद रहे।

शिमला में झमाझम बरसे बादल, मैदानी इलाकों में बढ़ी उमस; पांच जिलों में आज भी बारिश का अलर्ट

शिमला (बी. शर्मा)- हिमाचल प्रदेश में मानसून का मिजाज शनिवार को बदला नजर आया। राजधानी शिमला में दोपहर बाद बादल झमाझम बरसे। मैदानी जिलों में बारिश थमने के बाद उमस और गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। बीते दो दिनों की भारी बारिश के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में जनजीवन अभी भी प्रभावित है। भूस्खलन, सड़क बंद होने, बिजली और पेयजल योजनाओं के ठप पड़ने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार प्रदेश में शनिवार शाम तक 189 सड़कें बंद, 146 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित और 104 पेयजल योजनाएं ठप रहीं। नदी के उफान पर आने से शाक्टी क्षेत्र में दो मकानों में पानी घुस गया, जिसके चलते प्रशासन को एहतियातन दोनों मकान खाली करवाने पड़े। बारिश और तेज बहाव के कारण शाक्टी, मरौड़ और शुगाड़ गांवों को जोड़ने वाली चार से अधिक पुलियाएं भी बह गईं। जिले में अभी भी 51 सड़कें बंद हैं, जिससे कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क प्रभावित हुआ है। शनिवार को मौसम साफ रहने से राहत कार्यों में तेजी आई। राजधानी शिमला में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश के बाद संजौली के बोथवेल क्षेत्र में भूस्खलन होने से चार मकानों और दो दुकानों पर खतरा मंडराने लगा। तड़के करीब चार बजे हुए इस भूस्खलन के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। न्यू शिमला और शहर के अन्य इलाकों में भी भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाओं से कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। राजधानी में शनिवार को दोपहर तीन बजे हल्के बादल छाए रहे। इसके बाद पांच बजे तक बारिश हुई। शाम को बारिश थमने से मौसम सुहावना हो गया।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

आज का
संपादकीय

भाजपा का प्रत्याशी चयन: संगठनात्मक अनुशासन और पारदर्शिता की कसौटी

भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है। पिछले एक दशक में उसका संगठनात्मक विस्तार अभूतपूर्व रहा है और उसने कई राज्यों में अपने राजनीतिक आधार को मजबूत किया है। भाजपा स्वयं को एक अनुशासित, कैडर आधारित और अन्य दलों से अलग राजनीतिक संगठन के रूप में प्रस्तुत करती रही है। यही कारण है कि जब पार्टी के भीतर प्रत्याशी चयन को लेकर विवाद सामने आते हैं, तो वे केवल स्थानीय स्तर की घटनाएं नहीं रह जातीं, बल्कि संगठन की कार्यप्रणाली और निर्णय प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करते हैं।

हाल ही में बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव से जुड़े घटनाक्रम ने भाजपा नेतृत्व को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है। दोनों मामलों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों से एक समान संदेश निकलता है कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया में कहीं न कहीं ऐसी कमियां हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य बनने के कारण रिक्त हुई है। स्वाभाविक रूप से इस सीट पर होने वाला उपचुनाव राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा ने पहले अभिषेक कुमार को अपना उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। इसके बाद पार्टी को जल्दबाजी में नया उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा घोषित करना पड़ा।

यह घटनाक्रम कई प्रश्न खड़े करता है। यदि किसी उम्मीदवार को पारिवारिक कारणों से चुनाव नहीं लड़ना था, तो क्या यह तथ्य पार्टी नेतृत्व को पहले से ज्ञात नहीं होना चाहिए था? प्रत्याशी चयन जैसी गंभीर प्रक्रिया में उम्मीदवार की व्यक्तिगत परिस्थितियों, सामाजिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक स्वीकार्यता का विस्तृत मूल्यांकन किया जाता है। ऐसे में नाम घोषित होने के बाद अचानक पीछे हटना स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा करता है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी रही कि जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर अभिषेक कुमार की पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंधित कुछ तथ्यों को सार्वजनिक करने वाले थे और इसकी जानकारी मिलने के बाद भाजपा ने स्थिति को संभालने के लिए प्रत्याशी बदलने का निर्णय लिया। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसी आशंकाएं थीं तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि पार्टी के पास पहले से पर्याप्त जानकारी क्यों नहीं थी। यदि विपक्ष को किसी उम्मीदवार के बारे में ऐसी जानकारी उपलब्ध थी, तो पार्टी की जांच-परख प्रक्रिया उस स्तर तक क्यों नहीं पहुंच सकी?

दूसरी ओर मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा क्षेत्र का मामला अलग प्रकृति का है। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा स्वयं को संभावित उम्मीदवार मानकर चल रहे थे। उन्होंने क्षेत्र में सक्रियता बढ़ा दी थी और उनके समर्थक भी चुनावी तैयारी में जुट गए थे। लेकिन जब पार्टी ने किसी अन्य नाम पर भरोसा जताया, तो उनके समर्थकों ने खुलकर विरोध शुरू कर दिया। सड़क जाम, धरना-प्रदर्शन, नारेबाजी और पत्थरबाजी जैसी घटनाएं सामने आईं। इतना ही नहीं, कई स्थानीय पदाधिकारियों ने नाराजगी में अपने पदों से इस्तीफा तक दे दिया।

यह स्थिति भाजपा के लिए अधिक चिंताजनक इसलिए है क्योंकि वह लंबे समय से संगठनात्मक अनुशासन को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताती रही है। यदि किसी निर्णय के बाद कार्यकर्ताओं और नेताओं के समर्थक इस प्रकार सार्वजनिक विरोध पर उतर आते हैं, तो यह संगठन के भीतर संवाद और समन्वय की कमी को दर्शाता है। नरोत्तम मिश्रा ने बाद में अपने समर्थकों के व्यवहार का समर्थन नहीं किया, लेकिन इससे पार्टी की छवि को जो नुकसान पहुंचा, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दरअसल, भाजपा के सामने चुनौती केवल चुनाव जीतने की नहीं है, बल्कि अपनी उस पहचान को बनाए रखने की भी है, जो उसे अन्य राजनीतिक दलों से अलग करती है। जैसे-जैसे पार्टी का विस्तार हुआ है, वैसे-वैसे टिकट के दावेदारों की संख्या भी बढ़ी है। सत्ता और संगठन में प्रभाव बढ़ने के साथ स्वाभाविक रूप से महत्वाकांक्षाएं भी बढ़ती हैं। ऐसे में प्रत्याशी चयन का कार्य पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल हो गया है।

यही कारण है कि अब भाजपा को प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और विश्वसनीय बनाने की आवश्यकता है। उम्मीदवारों के चयन से पहले व्यापक फीडबैक, सामाजिक स्वीकार्यता का आकलन, संगठनात्मक रिपोर्ट और संभावित विवादों की गहन जांच को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, जिन नेताओं को टिकट नहीं मिलता, उनके साथ संवाद की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे असंतोष सार्वजनिक विरोध का रूप न ले सके। लोकतांत्रिक राजनीतिक दलों की सफलता केवल चुनावी जीत से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वे आंतरिक मतभेदों और निर्णयों का प्रबंधन किस प्रकार करते हैं। भाजपा यदि स्वयं को अनुशासित और संगठन आधारित दल के रूप में स्थापित रखना चाहती है, तो उसे प्रत्याशी चयन के मामले में और अधिक सावधानी, पारदर्शिता और दूरदर्शिता दिखानी होगी। बांकीपुर और दतिया के घटनाक्रम केवल दो उपचुनावों तक सीमित नहीं हैं। वे इस बात का संकेत हैं कि तेजी से विस्तार कर रही किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना चुनाव जीतना। भाजपा के लिए यह समय आत्ममंथन का है, ताकि भविष्य में ऐसे विवाद उसकी राजनीतिक छवि और संगठनात्मक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न न खड़े करें।

आपदा या मानव-निर्मित त्रासदी ?

पहाड़ी राज्यों में आसमानी आफत का सच, आसमानी दहाड़, ढहने लगे पहाड

2026 में एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है?

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े। किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए %वर्टिकल कटिंग% यानी सीधी कटाई की जा रही है। जब पहाड़ों को ढलान की बजाय सीधा काटा जाता है तो उनकी जड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है।

दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है।

टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है। शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है।

मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो ग्लोबल वॉर्मिंग हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। अब बारिश महीनों में रुक-रुक कर होने के बजाय कुछ ही घंटों में दर्जनों सेंटीमीटर बरस जाती है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित सस्टेनेबल मॉडल और व्यावसायिक मॉडल के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बेड या बाढ़ क्षेत्र होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। पहाड़ों में कटाई ढलान के अनुसार की जानी चाहिए ताकि मिट्टी का कटाव कम हो लेकिन जगह बचाने के चक्कर में 90-डिग्री वर्टिकली कटान हो रहा है जिससे लैंडस्लाइड की घटनाएं कई गुणा बढ़ गईं।

-डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र स्तंभकार

बांज (ओक) और दूसरी स्थानीय प्रजाति के पेड़ जो पानी सोखते हैं और मिट्टी को बांधते हैं; उनकी बजाय व्यावसायिक लाभ के लिए चीड़ (पाइन) जैसे पेड़ों को बढ़ावा दिया गया जो मिट्टी को नहीं बांध पाते। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों (असम, अरुणाचल, मेघालय) में संकट थोड़ा अलग लेकिन उतना ही गंभीर है। वहां वनों की अंधाधुंध कटाई और अवैध खनन जैसे रैट-होल कोल माइनिंग ने पहाड़ियों को असुरक्षित बना दिया है। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों में गाद यानी सिल्ट जमा होने के कारण उनकी पानी रोकने की क्षमता कम हो गई है जिससे हर साल रिकॉर्ड तोड़ बाढ़ आ रही है।

2026 की मौजूदा मानसूनी तबाही इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनहीनता ने ही इन हालातों को जन्म दिया है। प्रकृति हमसे बदला नहीं ले रही वह केवल हमारे द्वारा पैदा किए गए असंतुलन का परिणाम दिखा रही है। यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव ज़ोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और बायो-इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग जरूरी है।

कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। टूरिज्म कैपिंग यानी सीजन के दौरान पहाड़ी शहरों में जाने वाले वाहनों और पर्यटकों की संख्या लिमिट करना; एक ऐसा कदम हो सकता है जो गाड़ियों की कई किलोमीटर लंबी कतारों और पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर बढ़ते बोझ को कम कर सकता है।

पहाड़ों को मॉल या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा- अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है।

आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है लेकिन अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

युवा शक्ति: बदलाव का संकल्प और समाज की नई उम्मीद

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी उसके युवा होते हैं। उनके भीतर वह ऊर्जा, साहस, धैर्य और संकल्प होता है जो असंभव को भी संभव बना सकता है। इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने किसी परिवर्तन का बीड़ा उठाया है, तब-तब समाज ने नई दिशा प्राप्त की है। युवा यदि ठान लें तो ऊँचे-ऊँचे पर्वतों को चुनौती दे सकते हैं, कठिन से कठिन परिस्थितियों को अवसर में बदल सकते हैं और अपने समाज की तस्वीर बदल सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश हर वर्ष प्राकृतिक आपदाओं, भूस्खलन और बादल फटने जैसी चुनौतियों से जूझता है। सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त होने से कई गाँवों का संपर्क बाहरी दुनिया से कट जाता है। ऐसे समय में प्रशासन अपनी प्रक्रिया के अनुसार राहत और पुनर्निर्माण कार्य करता है, किंतु कई बार परिस्थितियाँ इतनी विकट होती हैं कि तत्काल स्थानीय सहयोग ही सबसे बड़ा सहारा बनता है। इसका ताज़ा उदाहरण कुल्लू ज़िले के कशेरी नाला क्षेत्र में देखने को मिला। भारी वर्षा से मार्ग बाधित होने के बाद स्थानीय युवाओं ने प्रशासन की प्रतीक्षा करने के बजाय स्वयं आगे आकर अस्थायी मार्ग और लकड़ी का पुल तैयार किया, ताकि बच्चों, बुज़ुर्गों, बीमारों और आम लोगों की आवाजाही बनी रहे। यह केवल एक पुल का निर्माण नहीं था, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, एकता और आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश था। इन युवाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि जब समाज स्वयं जागता है, तो कठिन से कठिन संकट का समाधान भी निकल आता है।

यह सच है कि प्रशासन को किसी भी निर्माण या मरम्मत कार्य के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता है, जिसमें समय लगना स्वाभाविक है। लेकिन आपदा की घड़ी में समाज और प्रशासन यदि एक-दूसरे के पूरक बन जाएँ, तो राहत कार्य कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं। कशेरी नाला के युवाओं ने इसी साझेदारी की भावना को जीवंत किया।

कनुप्रिया
(नूरपुर, हिमाचल प्रदेश)

आज का युवा अनेक क्षेत्रों में देश का भविष्य गढ़ रहा है। कोई पर्यावरण संरक्षण में जुटा है, कोई साहित्य और संस्कृति को समृद्ध कर रहा है, कोई प्रशासनिक सेवाओं, चिकित्सा, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छूने का सपना देख रहा है। वहीं कुछ युवा नशे और आभासी दुनिया के आकर्षण में भी भटक रहे हैं। यह चिंता का विषय है, परंतु यह पूरे युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

आज भी देश का अधिकांश युवा सकारात्मक सोच, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने गाँव, अपने प्रदेश और अपने देश के लिए भी सोचता है। यही भावना भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी आशा है।

आने वाले वर्षों में भारत का विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि ऐसे जागरूक और जिम्मेदार युवाओं से सुनिश्चित होगा, जो अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझते हों। जो बुज़ुर्गों का सम्मान करें, बच्चों का हाथ थामें, पर्यावरण की रक्षा करें और संकट की घड़ी में बिना किसी स्वार्थ के समाज के साथ खड़े हों।

कशेरी नाला के युवाओं का कार्य केवल एक स्थानीय घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा है। यह हमें याद दिलाता है कि परिवर्तन किसी चमत्कार से नहीं आता, बल्कि जागरूक नागरिकों के छोटे-छोटे प्रयासों से जन्म लेता है। यदि भारत का युवा इसी भावना के साथ आगे बढ़ता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश सेवा, संवेदना और आत्मनिर्भरता की मिसाल बनेगा।

युवा शक्ति केवल भविष्य की आशा नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि इस शक्ति को सही दिशा मिले।

तब हर कशेरी नाला, हर गाँव और हर शहर से परिवर्तन की नई कहानी जन्म लेगी।

बरसात में बेहाल होते शहर

एल नीनो के असर के बावजूद मानसून ने देश के हर कोने में दस्तक दे दी है। इससे किसान कुछ हद तक राहत महसूस कर रहे हैं, फिर भी कई क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण फसल की बोआई देरी से चल रही है। फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि आगे मानसून अपनी गति बरकरार रखेगा और पर्याप्त बारिश होगी।

इस कारण खेती को लेकर चिंता बरकरार है और सरकार भी इसे लेकर सजग दिख रही है। मानसून के आगमन ने जहां भारत के अनेक हिस्सों में भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं हर वर्ष की तरह उसने नगर निकायों की पोल खोल दी है, क्योंकि देश के अनेक छोटे-बड़े शहर वर्षा जनित समस्याओं और खासकर जल भराव से त्रस्त हैं। यह कोई नई बात नहीं।

दशकों से भारत के शहरों में लोग बरसात में जल भराव और उससे जुड़ी समस्याओं से जूझते हैं। इसके बाद भी नगर निकायों के काम करने के तौर-तरीके बदल नहीं रहे हैं।

हमारे नगर निकाय न तो जल भराव से निपट पा रहे हैं और न ही सीवर, नालियों और नालों को उफनने से रोक पा रहे हैं। इसी कारण बरसात होते ही जल भराव के कारण कई तरह की दुर्घटनाएं होती हैं। कहीं ट्रैफिक जाम हो जाता है, कहीं सड़कें धंस जाती हैं, कहीं करेंट उतर आता है तो कहीं लोग गड्ढों में भरे पानी या खुले मैनहोल में गिर जाते हैं।

हर बारिश में न जाने कितने लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। बीते दिनों अकेले दिल्ली-एनसीआर में मानसून की पहली बारिश में अलग-अलग दुर्घटनाओं में छह लोग मारे गए। यह बरसात की शुरुआत का हाल है। आने वाले दिनों में जलभराव के साथ कहीं-कहीं बाढ़ की भी स्थिति देखने को मिल सकती है। इसके अलावा भारी बरसात, भूस्खलन या फिर बादल फटने की घटनाओं से भी जान-माल को नुकसान हो सकता है। केरल के जिस वायनाड में कुछ साल पहले भारी बरसात में कई लोग मारे गए थे, वहां बीते दिनों एक कंस्ट्रक्शन साइट के पास भूस्खलन से तबाही मची। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस तरह की घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं के लिए चिंता का कारण बननी चाहिए, क्योंकि वर्षा जनित समस्याओं के चलते लोगों की जान जाने के साथ शहरी ढांचे को अच्छा-खासा नुकसान भी होता है।

आखिर क्या कारण है कि जो मानसून देश की आर्थिकी के लिए अत्यधिक जरूरी है, वही ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों में तमाम समस्याओं को भी जन्म देता है? छोटे शहरों की बात तो दूर रही, देश के प्रमुख महानगर तक बारिश में गंभीर समस्याओं से घिर जाते हैं और उनमें जनजीवन बाधित हो जाता है। पिछले दिनों मुंबई में तीन दिन की भारी बरसात से आफत सी आ गई।

मुंबईवासियों को उन्हीं समस्याओं से फिर दो-चार होना पड़ा, जिनका सामना वे वर्षों से करते चले आ रहे हैं। इन समस्याओं से आजिज कुछ लोगों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उसने मामले की सुनवाई करते हुए यह कहा कि जब लोग फुटपाथ, नदी-नालों, सड़कों पर अतिक्रमण कर लेंगे तो यह नौबत तो आएगी ही। उसके अनुसार मुंबई के हालात सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के दुरुपयोग के चलते खराब हुए।

अपने देश के बड़े शहर इसलिए और अधिक समस्याओं से घिर गए हैं, क्योंकि उनके बीच स्थित गांव और पुरानी बस्तियां अनियोजित विकास का पर्याय बन गई हैं। उनमें जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होती और सीवेज सिस्टम भी दोयम दर्जे का होता है।

कभी इन गांवों की आबादी सीमित थी, लेकिन शहरीकरण के क्रम में उनकी आबादी हजारों और लाखों में हो गई है। आज दिल्ली-एनसीआर के कुछ गांवों में लाखों लोग रह रहे हैं। आम तौर पर ग्रामीण इलाकों से जो पलायन होता है, वह इन्हीं शहरी गांवों में आकर बसता है। नगर निकायों ने इन गांवों के आधारभूत ढांचे को ठीक करने के लिए जो कुछ किया है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के सामान ही है।

नगर निकाय और राज्य सरकारें इन शहरीकृत गांवों में अनियोजित विकास को रोक नहीं पा रही हैं। इसका एक कारण यह है कि सभासदों यानी पार्षदों के एजेंडे में सुनियोजित विकास है ही नहीं। एक विडंबना यह भी है कि लोग शहरीकरण की चुनौतियों के समाधान के इरादे से सभासदों का चुनाव मुश्किल से ही करते हैं। यही स्थिति विधायकों और सांसदों के मामले में भी है। इसके चलते शहरों की रोजमर्रा की तकलीफें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अपने देश में अभी भी वोट जाति-पंथ या अन्य आधार पर दिए जाते हैं, न कि प्रत्याशी की योग्यता को देखकर।

शहरों की समस्याएं बढ़ते चले जाने के कारण न केवल लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी। जो शहर जीवन को सुगम-सुविधाजनक बनाने में सक्षम होने चाहिए, वे तनाव और आपाधापी को जन्म दे रहे हैं। देश के नेता शहरीकरण के मामले में विकसित देशों के तरीके अपनाने की बातें तो खूब करते हैं, पर वैसे तरीके अपनाने की प्रतिबद्धता नहीं दिखाते।

विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए मजबूत शहरी ढांचा और नियोजित शहरीकरण अत्यधिक जरूरी है, पर हमारे शहर बेतरतीब विकास का पर्याय बन गए हैं। शहरों की नींव उनका बुनियादी ढांचा होता है, लेकिन वही विकृत हो चुका है।

अब जब नींव ही विकृत हो चुकी हो तो सुनियोजित विकास कैसे हो सकता है? अपने यहां यह भी देखने को मिल रहा है कि बेहतर नगर नियोजन के नाम पर जो आधारभूत ढांचा निर्मित हो रहा है, वह या तो बहुत जल्दी नाकाफी सिद्ध होता है या दोयम दर्जे का साबित होता है।

अब यह जरूरी हो गया है कि संसद में एक विशेष सत्र बुलाकर बिगड़ते शहरीकरण को संवारने के लिए कोई सार्थक बहस की जाए। इसके अतिरिक्त उन तौर-तरीकों को अपनाने की कोई ठोस रूपरेखा बनाई जाए, जिससे शहरीकरण संबंधी जो भी नियम-कानून हैं, उन पर सही तरह अमल हो। इसी के साथ नगर निकायों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों को जवाबदेह भी बनाना होगा। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो शहरी आबादी की समस्याएं तो बढ़ेंगी, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में कठिनाई भी होगी। यह ध्यान रहे कि शहरों का चरमराता बुनियादी ढांचा देश की छवि को भी खराब करने का काम कर रहा है।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2010/36540

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने यूटी के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय 'दिशा' कार्यशाला का आयोजन किया

चंडीगढ़,11 जुलाई(मुकेश डोलिया) गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सेक्टर-20, चंडीगढ़ ने द हेल्पिंग हैंड्स ट्रस्ट के सहयोग से तथा शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के तत्वावधान में 6 से 10 जुलाई, 2026 तक पांच दिवसीय प्रेरणा एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला 'दिशा' का आयोजन किया।इस कार्यशाला में चंडीगढ़ के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के कक्षा 9 के 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, भावनात्मक सुदृढ़ता तथा जीवन कौशल का विकास करना था।इसके अंतर्गत संवादात्मक सत्र, समूह गतिविधियां, प्रेरक व्याख्यान, कहानी-वाचन, माइंडफुलनेस तथा व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

समापन समारोह में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा विधिक स्मरणकर्ता-सह-निदेशक अभियोजन, चंडीगढ़ प्रशासन, श्री सूर्य चंद्र कांत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती बीना रानी सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण एवं दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए कॉलेज की पहल की सराहना की। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सपना नंदा ने प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक कार्यशाला पूर्ण करने पर बधाई दी तथा शिक्षा विभाग, संसाधन व्यक्तियों, स्वयंसेवकों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

21 जुलाई को होगा साइकिल मेले का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 11 जुलाई (बृज मोहन) जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदू कौशिक ने कहा कि राजकीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे कक्षा छठी के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों (लड़के व लड़कियों) के लिए चलाई जा रही निशुल्क साइकिल योजना के अंतर्गत सभी पात्र विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 21 जुलाई को राजकीय माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 13 के प्रांगण में जिला स्तरीय साइकिल मेले का आयोजन किया जा रहा है।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस जिला स्तर पर लगने वाले इस मेले में विद्यार्थी अपनी पसंद की साइकिल 20 इंच की साइकिल व 22 इंच की साइकिल को शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए निर्धारित रेट 2800 व 3 हजार रुपए में खरीद सकते है। इसके लिए राशि विद्यार्थियों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध करवाई जाएगी।

नवोदय विद्यालय की कक्षा छह के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 11 जुलाई (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नवोदय विद्यालय समिति द्वारा कक्षा छह में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है तथा परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर 2026 को किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि जिले के समस्त राजकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को परीक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएं तथा ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करें। इस विषय में विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इस जानकारी को पहुंचाया जाए। विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं परीक्षा तिथि संबंधी जानकारी समयबद्ध रूप से प्रदान की जाए ताकि अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थी पंजीकरण कर सकें।

डीएलएसए सचिव ने उद्यान केयर होम कुरुक्षेत्र का किया विजिट

कुरुक्षेत्र, 11 जुलाई (बृज मोहन) जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुरुक्षेत्र दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं डीएलएसए सचिव नीतिका भारद्वाज ने उद्यान केयर होम, कुरुक्षेत्र का विजिट किया गया।

विजिट के दौरान सीजेएम, डीएलएसए ने बच्चों से संवाद स्थापित किया तथा उन्हें बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीजेएम एवं डीएलएसए ने बच्चों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र व्यक्तियों को प्रदान की जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता एवं अन्य विधिक सेवाओं के बारे में भी अवगत कराया।

सीजेएम एवं डीएलएसए ने बच्चों के आवासीय कमरों का निरीक्षण किया तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त बच्चों को प्रदान किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा, कल्याण एवं समग्र विकास सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

नशा केवल कानून-व्यवस्था नहीं, समाज और राष्ट्र निर्माण का विषय: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि समाज, परिवार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा एक गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार कानून और पुलिस कार्रवाई के माध्यम से नशे के कारोबार पर अंकुश लगा सकती है, लेकिन इसका स्थायी समाधान तभी संभव है जब पूरा समाज एकजुट होकर इसके खिलाफ जन-आंदोलन खड़ा करे।

मुख्यमंत्री पंचकूला में 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत आयोजित 'नशा मुक्त हरियाणा के लिए एनजीओ एवं केमिस्ट एसोसिएशनों के साथ संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है जब युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत की मजबूत नींव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। यह केवल शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि आत्मविश्वास, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक मूल्यों को भी कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने खेल, शिक्षा, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में युवाओं का नशे की गिरफ्त में जाना पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब समाज ने किसी बुराई के खिलाफ सामूहिक संकल्प लिया है, तब सकारात्मक परिवर्तन संभव हुआ है। इसी भावना के साथ हरियाणा उदय अभियान के माध्यम से सामुदायिक पुलिसिंग और जन-सहभागिता को बढ़ावा देकर नशा मुक्त हरियाणा का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवी संगठन अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से गांव-गांव, वार्ड-वार्ड और मोहल्लों तक पहुंचकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

केमिस्ट एसोसिएशनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दवा विक्रेता केवल दवाइयों का व्यापार नहीं करते, बल्कि समाज के स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित या संवेदनशील दवाओं की बिक्री के दौरान पूरी सावधानी बरती जानी चाहिए ताकि उनका दुरुपयोग न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। नशे के कारोबार में शामिल लोगों की संपत्तियां भी सीज की गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल तस्करों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि समाज में नशे की मांग को भी समाप्त करना है।

उन्होंने कहा कि नशे के आदी लोगों को समाज से अलग करने के बजाय उन्हें पुनर्वास और मुख्यधारा में लौटने का अवसर दिया जाना चाहिए। प्रेम, विश्वास और सकारात्मक वातावरण किसी भी व्यक्ति के जीवन में बदलाव ला सकता है।

मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों के साथ अधिक समय बिताएं, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उन्हें सकारात्मक वातावरण दें। उन्होंने कहा कि यदि समाज मिलकर एक भी युवा को नशे की गिरफ्त में जाने से बचा लेता है तो यह पूरे समाज की बड़ी सफलता होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से हरियाणा को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य अवश्य पूरा होगा।

यु टी कर्मचारियों का पुतला फुख प्रदर्शन जारी... रोड तथा बाग बानी वर्करों ने सैक्टर 16 में किया पुतला फुख प्रदर्शन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जुलाई (पुनीत महाजन)

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एम सी एम्प्लॉईज एंड वर्कर्स यूटी चंडीगढ़ के बैनर तले रोड स्टोर सैक्टर 16 के पास नगर निगम रोड तथा हॉर्टिकल्चर विभाग के कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया तथा प्रशासन का पुतला भी फूंका प्रदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए 4 लेबर कोड का सख्त विरोध किया गया तथा मांग की कि इस में से मजदूर विरोधी धराए हटाई जाए।

उन्होंने आगे मांग की कि आउट सोर्स्ड वर्करों को समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए तथा सुरक्षित पॉलिसी बनाई जाए, पेमेंट ऑफ बोनस एक्ट को लागू किया जाए,वेतन हर महीने की 7 तरीक को मिले, रहते डेली वेज वर्करों को भी 13 .3.15 की पॉलिसी के सभी लाभ दिए जाए। खाली पोस्ट जल्द भरी जाए। सिक्योरिटी गार्ड की रिटायरमेंट एज 65 की जाए।मिड डे मील वर्करों का मानदेय बढ़िया जाए तथा उनको वेतन डीसी रेट्स अनुसार दिया जाए।

लीडरशिप ने प्रशासन को तुरंत कोऑर्डिनेशन के प्रतिनिधियों से मीटिंग कर मांगो का समाधान निकलने का अनुरोध कीया। घोषणा की गई कि मांगो की प्राप्ति के लिए विरोध प्रदर्शन जारी रहेगे।

अगला पुतला फुक प्रदर्शन 21 जुलाई को होगा।

वर्करों को कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष सतिंदर सिंह ,महासचिव राकेश कुमार, कन्वीनर रगभीर चंद, रोड यूनियन के चेयरमैन टॉपलेन ,प्रधान राजेंद्रन, महासचिव प्रेमपाल, द वॉटर सप्लाई वर्कर्स यूनियन से राजिंदर सिंह,एजुकेशन क्लास फोर यूनियन के अध्यक्ष अन्नू कुमार, फाउंटेन वर्कर से कुलदीप सिंह, सीएमसी हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन यूनियन से रामदुलार,हरजीत सिंह,अमित कुमार,शाम लाल,मनुराम,अश्वनी कुमार,कृष्णाआदि ने संबोधन किया।

जीएमसीएच-32 में MBBS की 50 सीटें बढ़ीं

मेडिकल छात्रों के लिए बड़ी राहत

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में चंडीगढ़ को बड़ी उपलब्धि मिली है। सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (GMCH) में एमबीबीएस की वार्षिक प्रवेश क्षमता 150 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 50 अतिरिक्त सीटों की मंजूरी दे दी है। इस फैसले से न केवल मेडिकल शिक्षा का दायरा बढ़ेगा, बल्कि उत्तर भारत के अधिक मेधावी विद्यार्थियों को सरकारी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर बनने का अवसर भी मिलेगा।

तस्ष्ट॥ प्रशासन ने इसे संस्थान के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि अतिरिक्त सीटों की मंजूरी उच्च शैक्षणिक मानकों, बेहतर अधोसंरचना और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के गुणवत्ता मानकों के सतत पालन का परिणाम है। प्रशासन के अनुसार, बढ़ी हुई प्रवेश क्षमता से गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा तक अधिक विद्यार्थियों की पहुंच सुनिश्चित होगी और भविष्य में कुशल एवं संवेदनशील चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी।

देशभर में लंबे समय से मेडिकल छात्रों की मांग रही है कि MBBS सीटों की संख्या बढ़ाई जाए, क्योंकि सीमित सीटों के कारण प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार भी नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने और मौजूदा संस्थानों में सीटें बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रही है ताकि डॉक्टरों की कमी दूर की जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाया जा सके।

गौरतलब है कि देश में MBBS में प्रवेश राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) की मेरिट के आधार पर होता है। परीक्षा में सफल होने के बाद अभ्यर्थी 15 प्रतिशत ऑल इंडिया कोटा और 85 प्रतिशत राज्य कोटा की काउंसलिंग में भाग लेते हैं। सीटों का आवंटन NEET रैंक, अभ्यर्थी की पसंद, आरक्षण नियम और उपलब्ध सीटों के आधार पर किया जाता है। GMCH में सीटें बढ़ने से आगामी सत्र में अधिक विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश का अवसर मिलेगा।

परमिंदर सिंह अज़ीज़ की पहली पुस्तक इबादतनामा का हुआ लोकार्पण

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जुलाई (पुनीत महाजन)

साहित्य विज्ञान केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा टी.एस. सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी, सेक्टर-17 के सहयोग से एक विशेष साहित्यिक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मलवा के अबोहर से जुड़े शायर एवं कवि डॉ. परमिंदर सिंह अज़ीज़ की ग़ज़लों और गीतों के प्रथम संग्रह इबादतनामा का भव्य लोकार्पण किया गया तथा पुस्तक पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम में बताया गया कि डॉ. परमिंदर सिंह अज़ीज़ देव समाज कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ के अंग्रेज़ी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उनकी पुस्तक इबादतनामा को हाल ही में चंडीगढ़ साहित्य अकादमी द्वारा पंजाबी पांडुलिपि श्रेणी में अनुदान पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

समारोह की अध्यक्षता साहित्य विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष जी.एस. मावी ने की। उन्होंने लेखक का परिचय करवाते हुए उपस्थित साहित्य प्रेमियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में महासचिव दविंदर कौर ढिल्लों, लाइब्रेरियन डॉ. नीजा सिंह तथा लाइब्रेरी इंचार्ज डॉ. नीलम बंसल सहित अनेक साहित्यकार और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर पीजीजीसी-11 के डॉ. परमजीत सिंह ने इबादतनामा पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जबकि दीपक शर्मा चनार्थल ने पुस्तक की साहित्यिक विशेषताओं पर अपने विचार व्यक्त किए। लेखक डॉ. परमिंदर सिंह अज़ीज़ ने भी पुस्तक लेखन के अनुभवों और अपनी साहित्यिक यात्रा को श्रोताओं के साथ साझा किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दविंदर बोहा (पूर्व भाषा अधिकारी, एस.ए.एस. नगर) ने लेखक को पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में संस्था की जनरल सेक्रेटरी दविंदर कौर ढिल्लों तथा सदस्यों बलविंदर ढिल्लों, प्रताप %पारस% और भरपूर सिंह ने पुस्तक से चयनित गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम का समापन लेखक को शुभकामनाओं और साहित्य सृजन के प्रति उनके योगदान की सराहना के साथ हुआ।

6 महीने से पेंडिंग सीएम विंडो की शिकायतों का अगली मीटिंग से पहले निपटान करें अधिकारी : विश्राम कुमार मीणा

-मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से सीएम विंडो की शिकायतों की करी समीक्षा, सीएम विंडो की 12276 शिकायतों में से 12021 को डिस्पोज किया, 120 ओवरडयू व 117 शिकायत इन-एक्शन

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

11 जुलाई (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सीएम विंडो की शिकायतों पर संबंधित विभाग अपनी एटीआर रिपोर्ट को समयबद्ध तरीके से जमा करवाएं। इस शिकायतों का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं रिव्यू करते हैं।

सीएम विंडो की जिस विभाग की ज्यादा शिकायतें पेंडिंग है, उनका समय पर निपटान नहीं किया तो उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पिछले 6 महीने से ज्यादा समय की जिनकी एटीआर पेंडिंग है वो अगली मीटिंग से पहले उनकी एटीआर अपलोड करेंगे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से एचआरडी विभाग के आयुक्त एवं सचिव फूलचंद मीणा ने आयोजित बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पर जिला में अभी तक 12276 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, इनमें से 12021 शिकायतों को डिस्पोज ऑफ कर दिया गया है। अभी 120 शिकायत यानी 22 प्रतिशत ओवरडयू हैं, जबकि 117 शिकायत इन-एक्शन और 61 शिकायतों की एटीआर भेजी जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि जनसंवाद के तहत अभी तक 549 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, 165 शिकायतों को डिस्पोज किया गया है, 87 ओवर डयू हैं, जबकि 126 शिकायतें इन एक्शन और 48 शिकायतों की एटीआर भेजी जा चुकी हैं। इसी तरह समाधान शिविर में 8343 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 5449 शिकायतों का समाधान करवाया गया है, जबकि 243 शिकायतें अभी पेंडिंग हैं, 2540 शिकायत रिजेक्ट और 54 रि-ओपन की गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने विभाग की शिकायतों पर संज्ञान ले और उनका समाधान करें।

उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं की सुनवाई के लिए प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। किसी भी दिन सीएम विंडो पर शिकायत दे सकते हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा विभिन्न स्थानों पर जनसंवाद कार्यक्रम और मुख्यमंत्री कार्यालय पर दी जाने वाली शिकायतों को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ शिकायतों को ऑनलाइन माध्यम से भी नागरिकों द्वारा अपलोड किया जाता है।

अवैध हथियार रखने वाला आरोपी स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा काबू, देसी कट्टा बरामद

» प्रथम न्यूज । कैथल

11 जुलाई (कृष्ण गर्ग)

जिला पुलिस द्वारा एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार अपराध एवं अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने थाना पुंडरी क्षेत्र से एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा सहित काबू कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में हेड कांस्टेबल महेंद्र पाल अपनी टीम के साथ अपराधियों की धरपकड़ एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी के उद्देश्य से गश्त पर मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें एक गुप्त सूचना मिली कि गांव हजवाना निवासी दिलबाग उर्फ विक्की नामक युवक अपने कब्जे में अवैध देसी कट्टा लेकर मुंदड़ी नहर पुल के पास किसी वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस टीम ने तुरंत उक्त स्थान पर दबीश देकर संदिग्ध दिलबाग उर्फ विक्की निवासी गांव हजवाना को काबू कर लिया गया। नियमानुसार जांच दौरान आरोपी के कब्जे से .315 बोर अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना पूंडरी में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एचसी देवेंद्र द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी न्यायालय में पेश किया जाएगा, जिससे पूछताछ की जा रही है।

भगवानपुरा-किशनगढ़ में पेयजल संकट गहराया, ऑल मनीमाजरा रेजिडेंट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जुलाई (पुनीत महाजन)

वार्ड नंबर-4 के अंतर्गत गाँव भगवानपुरा-किशनगढ़ में पिछले तीन-चार दिनों से पेयजल संकट गहराने के कारण स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के तीन पानी के ट्यूबवेलों में से एक की मोटर खराब होने के कारण नियमित जलापूर्ति बाधित है और लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऑल मनीमाजरा रेजिडेंट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन, सैक्टर-13, चंडीगढ़ के चेयरमैन सुभाष धीमान ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय निवासियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान समाजसेवी रिकुं लुबाणा सहित क्षेत्र के लोगों ने बताया कि ट्यूबवेल की मोटर खराब होने के कारण पिछले कई दिनों से पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

एसोसिएशन ने जलापूर्ति विभाग तथा नगर निगम चंडीगढ़ के संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि खराब ट्यूबवेल की मोटर को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक कराया जाए तथा क्षेत्र में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

मामला ऑल मनीमाजरा रेजिडेंट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन, सैक्टर-13, चंडीगढ़ के अध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय के संज्ञान में आने पर उन्होंने गहरा खेद व्यक्त किया और प्रशासन से आग्रह किया कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो एसोसिएशन क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर आगे की रणनीति तय करेगी।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज़

घ्याणा युवक मंडल ने देवस्थल परिसर में किया पौधारोपण

अर्की (योगेश चौहान)- उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत पलोग के गांव घ्याणा स्थित देवधारा वाले देवस्थल परिसर में रविवार को युवक मंडल घ्याणा द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बरगद, बहेड़ा, जामुन, आंवला, पथरचट्टा, एलोवेरा सहित विभिन्न औषधीय एवं छायादार पौधे लगाए गए। युवक मंडल के प्रधान भारतेंदु शर्मा ने बताया कि मंडल पिछले सात-आठ वर्षों से प्रत्येक वर्ष बरसात के मौसम में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना भी सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के लिए पौधे समाजसेवी प्रकाश चंद शर्मा द्वारा अपनी नर्सरी से उपलब्ध करवाए गए। कार्यक्रम में प्रकाश चंद शर्मा, पियूष शर्मा, दिनेश शर्मा, हेमंत शर्मा, सुरेंद्र शर्मा सहित युवक मंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

अर्की घटक के ट्रक ऑपरेटरों ने हितों की रक्षा को लेकर बनाई रणनीति, 19 जुलाई की बैठक में जुटेंगे सभी सदस्य

अर्की (योगेश चौहान)- दी मांगल लैंड लूजर्स एवं प्रभावित परिवहन सहकारी सभा लिमिटेड, बागा की अर्की घटक की बैठक शनिवार को उपाध्यक्ष संजय ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अर्की घटक के ट्रक ऑपरेटरों ने विभिन्न समस्याओं, कार्य आवंटन और भविष्य की रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की।

बैठक की जानकारी देते हुए सभा के सदस्य संजीव शर्मा ने बताया कि बैठक में बताया गया कि वर्तमान में लगभग 55 ट्रक ऑपरेटरों का कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि सभा में अर्की और मांगल दो घटक कार्यरत हैं तथा दोनों के बीच मालढुलान कोटे के बंटवारे का मामला माननीय सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में विचाराधीन है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार वर्तमान में लगभग 38 प्रतिशत कार्य अर्की घटक तथा 62 प्रतिशत कार्य मांगल घटक द्वारा किया जा रहा है। सदस्यों ने कहा कि पिछले 10 से 12 वर्षों से अर्की घटक के ट्रक ऑपरेटर सभा के माध्यम से नियमित रूप से कार्य प्राप्त करते आ रहे हैं।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 जुलाई को चमाकड़ी पुल में आयोजित होने वाली सभा की बैठक में अर्की घटक के सभी ट्रक ऑपरेटर पूर्ण संख्या में भाग लेंगे और अपने अधिकारों एवं हितों की रक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

बैठक में संजय ठाकुर, सुरेंद्र ठाकुर, संजीव शर्मा, हेमचंद सहित अर्की घटक के अन्य ट्रक ऑपरेटर उपस्थित रहे।

बद्दी में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, मामला दर्ज

बीबीएन, 11 जुलाई(तारा) - पुलिस थाना बरोटीवाला में एक सड़क दुर्घटना के संबंध में भारतीय न्याय संहिता एवं मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता रविन्द्र कुमार निवासी भटौलीकलां ने बताया कि शनिवार की सुबह वह अपनी कार से सिक्का होटल की ओर जा रहे थे। पिडिलाइट कंपनी, भटौलीकलां के मुख्य द्वार के समीप उनके आगे चल रहे एक मोटरसाइकिल सवार को सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर चालक ने कथित रूप से तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत दिशा में जाकर टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि ट्रैक्टर चालक मौके पर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को तत्काल एम केयर अस्पताल, भटौलीकलां पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान आर्यन ठाकुर, उम्र 19 वर्ष निवासी भटौलीकलां के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक वर्मा ने बताया कि पुलिस थाना बरोटीवाला में ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध अभियोग दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण, साक्ष्य संकलन एवं अन्य अन्वेषण कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना से रोहित के सपनों को मिला आशियाना

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने निर्माणाधीन घर का किया निरीक्षण, समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । शिमला

11 जुलाई (सर्वजीत, धर्मानी)

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना बेसहारा एवं अनाथ बच्चों के जीवन में नई उम्मीद का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा प्राप्त बच्चों को न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है, बल्कि उनके सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन का मार्ग भी प्रशस्त किया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला शिमला में मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत 29 चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के लिए स्थायी आवास निर्माण का कार्य प्रगति पर है। शुक्रवार देर सायं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जनोल के गांव कियाना में योजना के लाभार्थी रोहित के निर्माणाधीन घर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि लाभार्थी शीघ्र अपने नए घर में प्रवेश कर सके।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी ममता पॉल, खंड विकास अधिकारी बृजेश तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संघर्षों से भरा जीवन, सुखाश्रय योजना बनी संबल - रोहित का जीवन अनेक कठिन

परिस्थितियों से होकर गुजरा है। वर्ष 2013 में मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने पिता चुन्नी लाल को खो दिया, जो आईपीएच विभाग में कार्यरत थे। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कुछ समय बाद उनकी माता विमला को विभाग में अनुकंपा के आधार पर चपरासी के पद पर नियुक्ति मिली, जिससे परिवार किसी तरह संभलने लगा। इस बीच बड़ी बहन का विवाह हो गया, लेकिन वर्ष 2019 में माता के निधन के बाद रोहित पूरी तरह अकेले हो गए। कुछ समय तक वे अपने दादा के साथ रहे। वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना लागू होने के बाद रोहित को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा मिला और उन्हें प्रतिमाह चार हजार रुपये की वित्तीय सहायता मिलने लगी। योजना के अंतर्गत विभाग ने उनके लिए आवास निर्माण की प्रक्रिया पूरी की और उन्हें तीन लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई।

इसी सहायता से रोहित अपने लिए एक पक्का मकान बना रहे हैं, जिसमें एक कमरा, रसोईघर और स्नानघर की सुविधा होगी। हाल ही में भवन का लैंटर डाला गया है तथा रोहित ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि अगले दो महीनों में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में वे दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। अक्टूबर 2025 में उनका विवाह हुआ और अब वे एक बच्चे के पिता भी हैं।

योजना का प्रभाव धरातल पर दिखना चाहिए - उपायुक्त

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन बच्चों के जीवन को नई दिशा देने का एक संवेदनशील प्रयास है, जिन्होंने अपने माता-पिता का साया खो दिया है। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा के साथ-साथ फील्ड में जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि जिला के अन्य क्षेत्रों में भी मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया जाएगा। सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य पूर्ण होने तक प्रत्येक तीन माह में फोटो सहित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि इन बच्चों तक सरकार की प्रत्येक सुविधा समय पर पहुंचे, यह जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री का जताया आभार

रोहित ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माता-पिता के निधन के बाद उन्हें भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका अपना घर भी बन पाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना ने उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। सरकार से मिली आर्थिक सहायता के कारण उनका सपना साकार हो रहा है और अब वे अपने परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना उनके जैसे अनेक बेसहारा युवाओं के लिए नई जिंदगी का आधार बनी है।

करियर की सही योजना ही सफलता की कुंजी : डॉ. सलारिया

राजकीय महाविद्यालय सलूणी में प्राचार्य से छात्रों का संवाद, कैरियर गाइडेंस सेल ने विद्यार्थियों को दी रोजगार और छात्रवृत्ति की जानकारी

» प्रथम न्यूज । सलूणी (चम्बा)

11 जुलाई (एएम नाथ)

राजकीय महाविद्यालय सलूणी के कैरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से शनिवार को प्राचार्य डॉ. मोहिंदर कुमार सलारिया के साथ विद्यार्थियों का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर नियोजन, कौशल विकास और रोजगार के विभिन्न अवसरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लेकर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. मोहिंदर कुमार सलारिया ने कहा कि वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। ऐसे में विद्यार्थियों को समय रहते अपने लक्ष्य तय कर पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि संचार कौशल, कंप्यूटर ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास भी सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी नौकरियों, प्रतियोगी परीक्षाओं, निजी क्षेत्र में रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बताया कि महाविद्यालय का कैरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल समय-समय पर कार्यशालाएं, काउंसलिंग

सत्र और प्लेसमेंट गतिविधियां आयोजित कर विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा।

डॉ. सलारिया ने विद्यार्थियों से नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ने और हर प्रकार के नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने मानसिक तनाव से बचने के उपाय बताते हुए सकारात्मक सोच, नियमित दिनचर्या और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह भी दी। कार्यक्रम में कैरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल के संयोजक श्री पंकज कुमार ने प्राचार्य का स्वागत किया तथा सेल की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और उन्नत भारत अभियान के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला। इसके बाद श्री शुभम डोगरा ने रेंजर एवं रोवर इकाई की गतिविधियों, श्री गुरदेव सिंह ने एनसीसी, महाविद्यालय की खेल सुविधाओं, नियमों और अनुशासन संबंधी जानकारी साझा की। वहीं डॉ. सौरभ मिश्रा ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर विद्यार्थियों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयश्री ने किया।

युवाओं को शिक्षा के साथ खेलों से जोड़ना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर

बटाड़ गांव में वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ, खेलों को नशामुक्त समाज का सशक्त माध्यम बताया

» प्रथम न्यूज । शिमला

11 जुलाई (वंदना, शर्मा)

प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने प्रवास के दौरान जुब्बल क्षेत्र की ग्राम पंचायत कठासु के अंतर्गत बटाड़ गांव में नवयुवक मंडल स्टेटा ब्रदर्स बटाड़ द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता शनिवार को की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ-साथ खेलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल पर्वतीय क्षेत्रों का अत्यंत लोकप्रिय खेल है और खेल गतिविधियां युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व तथा टीम भावना का पाठ पढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखती हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के लिए इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन आवश्यक है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने खिलाड़ियों की डाइट मनी 120 रुपये से बढ़ाकर 220 रुपये कर दी है। इसके अलावा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने की व्यवस्था भी की गई है।

उन्होंने कहा कि ठाकुर रामलाल राजकीय बालिका खेल विद्यालय, जुब्बल की स्थापना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां वॉलीबॉल सहित आठ खेलों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। खेल छात्रावास के बेहतर संचालन के लिए हाल ही में मंत्रिमंडल ने 32 नए पदों को भी स्वीकृति प्रदान की है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं अथवा तेजी से प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत कठासु में 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है तथा सड़क निर्माण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। विधानसभा क्षेत्र में 181 नई सड़कों का निर्माण एवं स्वीकृति दी गई है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि कठासु पंचायत से उनका पारिवारिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है, जिसकी नींव स्वर्गीय ठाकुर रामलाल के समय में रखी गई थी। इसी आत्मीय संबंध के कारण क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि 18 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से भगोली-बरथाटा सड़क का स्तरोन्नयन कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि कठासु-सावड़ा सड़क का स्तरोन्नयन 19.13 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसका लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरथाटा (बटाड़गलू) रिकॉर्ड दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है, जिससे बरथाटा, कठासु तथा बढ़ाल पंचायतों के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि बटाड़ में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। खेल मैदान में हाईमास्ट लाइट स्थापित कर दी गई है तथा भविष्य में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। इसके अतिरिक्त बटाड़गलू में जल शक्ति विभाग के निरीक्षण कुटीर का निर्माण कार्य भी आरंभ हो चुका है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने स्थानीय नवयुवक मंडल को खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मेहता, जिला परिषद सदस्य मीनाक्षी मांजटा एवं नेहा मेहता, पंचायत समिति अध्यक्ष कमलेश झगटा, उपाध्यक्ष लोकपाल शरखोली, ग्राम पंचायत कठासु के प्रधान लोकपाल जस्टा, बीडीसी सदस्य दिनेश पांजटा, उपप्रधान उदय दुलटा, ग्राम पंचायत बढ़ाल की प्रधान सरोज घमटा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा, एसडीएम जुब्बल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

श्री बनौडे महादेव मंदिर पहुंचे मंत्री विक्रमादित्य सिंह, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की पूजा-अर्चना

» प्रथम न्यूज । बंगाणा

11 जुलाई (जोगिंद्र देव आर्य)

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं प्राचीन श्री बनौडे महादेव मंदिर, चताडा में हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना करते हुए सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली की प्रार्थना की। मंदिर पहुंचने पर ग्राम पंचायत चताडा, मंदिर कमेटी तथा स्थानीय लोगों ने पारंपरिक तरीके से मंत्री राजा विक्रमादित्य सिंह और विधायक विवेक शर्मा का भव्य स्वागत किया। मंदिर कमेटी की ओर से दोनों जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।

इस दौरान मंत्री राजा विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवभूमि के रूप में पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखता है। यहां के प्राचीन मंदिर और धार्मिक स्थल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक हैं। राज्य सरकार इन धार्मिक स्थलों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को भी सुरक्षित रखना है। आने वाले समय में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आवश्यक कार्य किए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी लाभ मिलेगा। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि श्री बनौडे महादेव मंदिर कुटलैहड़ क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजा विक्रमादित्य सिंह और विधायक विवेक शर्मा ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया तथा मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी भावनाओं और सुझावों को भी सुना। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, मंदिर कमेटी के पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

घोटालों की जननी कांग्रेस को राम मंदिर पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं : राकेश जमवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला

11 जुलाई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी भगवान श्रीराम की आस्था को भी राजनीतिक हथियार बनाने से बाज नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने दशकों तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया और राम मंदिर निर्माण में हर स्तर पर अड़चनें पैदा कीं, वही आज करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के नाम पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

राकेश जमवाल ने कहा कि यदि किसी राजनीतिक दल को भ्रष्टाचार पर बोलने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए तो वह कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में ऐसे-ऐसे महाघोटाले हुए जिनकी राशि गिनना भी कठिन था और जिनसे देश की छवि विश्वभर में धूमिल हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने शासनकाल के काले अध्यायों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश आज भी कांग्रेस शासन के दौरान हुए 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले (लगभग ?1.76 लाख करोड़), कोयला आवंटन (कोलगेट) घोटाले (लगभग ?1.86 लाख करोड़), कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले (लगभग ?70,000 करोड़ के

कथित अनियमितता के आरोप), अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर सौदा, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाला, नेशनल हेराल्ड मामला, चारा घोटाला, बोफोर्स तोप सौदा, एयरसेल-मैक्सिस मामला, तत्रा ट्रक सौदा और अनेक अन्य भ्रष्टाचार के मामलों को भूला नहीं है। इन घोटालों ने कांग्रेस की कार्यशैली को देश के सामने उजागर किया था।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस के नेता आज पारदर्शिता की बातें कर रहे हैं, जबकि उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि जिन मामलों में देश की जांच एजेंसियों और न्यायालयों ने वर्षों तक कार्रवाई की, उन पर उनकी क्या नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

राकेश जमवाल ने कहा कि श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था के केंद्र हैं और राम मंदिर किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की श्रद्धा का प्रतीक है। यदि किसी भी विषय पर जांच की आवश्यकता होगी तो वह कानून के अनुसार होगी, लेकिन कांग्रेस को बिना तथ्यों के केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए भगवान श्रीराम और राम मंदिर को विवादों में घसीटने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने भ्रष्टाचार के इतिहास पर जवाब देना चाहिए, क्योंकि देश ने देखा है कि उसके शासनकाल में किस प्रकार एक के बाद एक बड़े घोटाले सामने आए। भाजपा पारदर्शिता, सुशासन और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस का इतिहास भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टिकरण की राजनीति से जुड़ा रहा है।

अंत में राकेश जमवाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और देश की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को भली-भांति समझती है। जनता जानती है कि जब भी कांग्रेस के पास जनहित के मुद्दे नहीं होते, तब वह आस्था और भ्रम फैलाने की राजनीति का सहारा लेती है। भाजपा ऐसे दुष्प्रचार का तथ्यों और जनविश्वास के आधार पर मजबूती से जवाब देती रहेगी।

'कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं', फेडरर से मुलाकात के बाद सचिन का भावुक पोस्ट

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन के दौरान टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर से मुलाकात के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी और फेडरर की दोस्ती को खास बताते हुए लिखा कि कुछ रिश्ते कभी खत्म नहीं होते।

सचिन ने लिखा, कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं। हमारी दोस्ती उनमें से एक है। रोजर, आपके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है। जब तक हम फिर से नहीं मिलते।

विंबलडन में सचिन का यह दौरा काफी यादगार रहा। वह शुक्रवार को खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स में मौजूद खास मेहमानों में शामिल थे। इस दौरान उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों और खेल जगत की मशहूर हस्तियों के साथ मैच का आनंद लिया।

रॉयल बॉक्स में भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल भी मौजूद रहे। गिल के लिए यह पहला मौका था जब उन्होंने विंबलडन का मुकाबला रॉयल बॉक्स

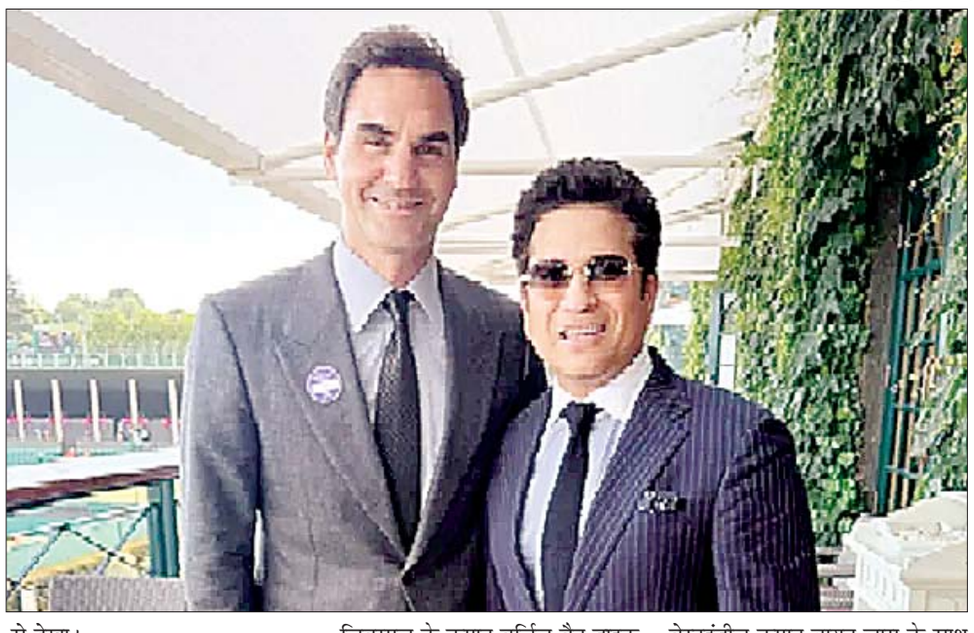

से देखा।

इंग्लैंड दौरे के बीच समय निकालकर वह इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बने। इसके अलावा फुटबॉल स्टार और लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वैन डाइक तथा लीड्स यूनाइटेड के चेयरमैन पराग मराठे भी वहां मौजूद रहे।

सचिन की मुलाकात के दौरान पूर्व वेस्टइंडीज कप्तान ब्रायन लारा के साथ उनकी बातचीत ने भी क्रिकेट प्रशंसकों को पुराने दिनों की याद दिलाई। दोनों खिलाड़ी अपने दौर में मैदान पर बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे, लेकिन क्रिकेट से संन्यास के बाद कई प्रदर्शनी और चैरिटी मैचों में एक साथ खेल चुके हैं; उनकी दोस्ती आज भी बरकरार है।

मैच की बात करें, तो जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के युवा खिलाड़ी आर्थर फेरी को सीधे सेटों में 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन के फाइनल में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने शुरुआती सेट में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन टाईब्रेक जीतने के बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह से पकड़ बना ली।

पिछले महीने फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले ज्वेरेव अब अपने करियर के पांचवें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गए हैं।

विंबलडन में यह उनका पहला खिताबी मुकाबला होगा। इस जीत के साथ ज्वेरेव की ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 13 मैचों तक पहुंच गया है। अब उनकी नजर लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर होगी।

एशियन गेम्स से पहले अनिमेष कुजूर का धमाका, 100 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 100 मीटर दौड़ में नया मुकाम हासिल किया है। ओडिशा के इस धावक ने शनिवार को प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर फाइनल रेस में 10.14 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला। अनिमेष विदेशी धरती पर 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले भारतीय एथलीट बने हैं। इसके साथ ही वह भारत की तरफ से गुरिंदरवीर सिंह के बाद 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले खिलाड़ी बने हैं। गुरिंदरवीर 100 मीटर की रेस को 10.09 सेकंड में पूरा कर चुके हैं और उनके नाम नेशनल रिकॉर्ड दर्ज है।

अनिमेष ने प्रतियोगिता की शुरुआत भी शानदार तरीके से की थी। उन्होंने दिन में हुई 100 मीटर हीट रेस को 10.19 सेकंड के समय के साथ जीतकर फाइनल में जगह ब नाई। इसके बाद फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और अपना पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 10.15 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ते हुए रेस को 10.14 सेकंड में पूरा किया। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के नेशनल रिकॉर्ड धावक अनिमेष अब भारत के सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं। भारत की ओर से 100 मीटर की रेस को सबसे कम समय में पूरा करने वाली लिस्ट में अनिमेष के तीन प्रदर्शन शामिल हैं। गुरिंदरवीर सिंह के 10.09 सेकंड के रिकॉर्ड के बाद अनिमेष का 10.14 सेकंड, 10.15 सेकंड और 10.18 सेकंड का समय शामिल है। अनिमेष की 100 मीटर में सफलता उनके लगातार सुधार का नतीजा है। जून में इंटर-स्टेट नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने एशियन गेम्स के लिए 200 मीटर स्पर्धा में क्वालीफाई किया था। उन्होंने उस रेस को 20.74 सेकंड में पूरा किया था, जो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 20.88 सेकंड के क्वालीफाइंग मानक से बेहतर था। क्वालिफाइंग मार्क आसानी से हासिल करने के बावजूद अनिमेष ने माना कि वह टाइमिंग से खुश नहीं थे।

उन्होंने कहा कि क्वालिफिकेशन ही उनका एकमात्र लक्ष्य था। रेस के बाद उन्होंने कहा, सच कहूं तो, मैं यहां टाइमिंग के लिए नहीं था। मेरा लक्ष्य आइडिया एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना था। अब जब मैंने इसे हासिल कर लिया है, तो मैं एशियन गेम्स से पहले बेहतर करने पर फोकस करूंगा। 200 मीटर में अनिमेष का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.32 सेकंड है, जो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। हाल के समय में उन्होंने 100 मीटर में भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो बार इस स्पर्धा में भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। हालांकि बाद में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड के समय के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अनिमेष के कोच मार्टिन ओवेन्स ने बताया कि व्यस्त यात्रा कार्यक्रम के बाद टीम का मुख्य लक्ष्य क्वालीफिकेशन हासिल करना था, न कि केवल तेज समय निकालने का दबाव लेना। हालांकि अनिमेष का पसंदीदा इवेंट 200 मीटर है, लेकिन पिछले कुछ समय में 100 मीटर में उनका प्रदर्शन तेजी से बेहतर हुआ है। उनकी 10.14 सेकंड की दौड़ यह दिखाती है कि वह एशियन गेम्स से पहले भारत की सबसे बड़ी स्प्रिंट उम्मीदों में से एक बन चुके हैं।

क्वार्टर फाइनल से पहले मेसी को लेकर बड़ा अपडेट, स्कालोनी बोले- पूरी तरह फिट हैं कप्तान

अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कप्तान लियोनेल मेसी की फिटनेस को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि 39 वर्षीय मेसी स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं।

कैनसस सिटी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से पहले स्कालोनी ने कहा कि टीम के आंकड़े बताते हैं कि मेसी अभी भी उतना ही काम कर रहे हैं, जितना वह पिछले टूर्नामेंटों में करते थे। उनके वर्कलोड में कोई बड़ी कमी या बढ़ोतरी नहीं हुई है। स्कालोनी ने कहा, वह पहले से ज्यादा या कम नहीं दौड़ रहे हैं। उनके आंकड़े नहीं बदले हैं। टीम उन्हें पूरा समर्थन देती है। उन्होंने अपने फिटनेस कोच के साथ अच्छी तैयारी की है और इसका फायदा उन्हें मिल रहा है। वह मैदान पर अपना सब कुछ दे रहे हैं।

मेसी इस वर्ल्ड कप में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक आठ गोल किए हैं और फ्रांस के कप्तान काइलियन एम्बाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। खास बात यह है कि एम्बाप्पे ने मेसी से एक मैच ज्यादा खेला है। स्कालोनी ने कहा कि उम्र बढ़ने के बावजूद मेसी की गोल करने की क्षमता

और मैच पर असर डालने की ताकत कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जो लोग मेसी को करीब से जानते हैं, वे उनकी मेहनत और जुनून से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

उन्होंने कहा, जो लोग उन्हें नहीं जानते, वे शायद सोच सकते हैं कि 39 साल की उम्र में वह अब पहले जैसे नहीं रहे, लेकिन जब तक वह खेलना चाहते हैं, वह इसी तरह प्रदर्शन करते रहेंगे। जो लोग उन्हें ट्रेनिंग करते देखते हैं, वे जानते हैं कि वह कितने शानदार खिलाड़ी हैं। उनके साथी खिलाड़ी भी यही कहते हैं कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्कालोनी ने यह भी साफ किया कि मेसी को पेनल्टी लेने की पूरी आजादी रहेगी। टूर्नामेंट में दो पेनल्टी मिस करने के बावजूद कोच ने अर्जेंटीना के कप्तान पर अपना भरोसा कायम रखा है। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में कभी यह बात नहीं आई कि उन्होंने पेनल्टी लेने की जिम्मेदारी बदलने के लिए कहूं। वह खुद फैसला करते हैं कि उन्हें क्या करना है।

कोच ने बताया कि मैदान पर मेसी को अपनी स्थिति तय करने की भी पूरी स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि टीम के बाकी खिलाड़ी मेसी की सोच और खेल को समझते हैं और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनाते हैं।

चंडीगढ़ मूल के एवं न्यूयॉर्क स्थित विज़ुअल आर्टिस्ट वासुदेव वशिष्ठ की फोटोग्राफी प्रदर्शनी ड्रीमिंग एन आइडियल नेचर को मिली जबरदस्त जन-प्रतिक्रिया, दो दिन के लिए बढ़ाई गई अवधि

» प्रथम न्यूज़ । चंडीगढ़

11 जुलाई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ ललित कला अकादमी (सीएलकेए) द्वारा सेक्टर 16/17 अंडरपास स्थित सीएलकेए गैलरी में आयोजित चंडीगढ़ मूल के एवं न्यूयॉर्क स्थित विज़ुअल आर्टिस्ट वासुदेव वशिष्ठ की सप्ताहव्यापी फोटोग्राफी प्रदर्शनी ड्रीमिंग एन आइडियल नेचर को दर्शकों से मिले अभूतपूर्व प्रतिसाद के चलते दो दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। अब यह प्रदर्शनी 13 जुलाई, 2026 (सोमवार) तक प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। 5 जुलाई को शुरू हुई इस प्रदर्शनी को अब तक 10 हजार से अधिक लोग देख चुके हैं। प्रदर्शनी में वासुदेव वशिष्ठ की 36 फोटोग्राफिक कृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जिन्हें स्थान और विषय के आधार पर व्यवस्थित किया गया है। इन कृतियों में एनालॉग और डिजिटल फोटोग्राफी तकनीकों का प्रयोग करते हुए पर्यावरणीय प्रदूषण, सामूहिक सहभागिता तथा मनुष्य, समुदाय और प्रकृति के बीच गहरे संबंधों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

वासुदेव वशिष्ठ का कलात्मक कार्य फोटोग्राफी के भौतिक और पारिस्थितिक आयामों की खोज पर केंद्रित है। वे अपनी रचनात्मक प्रक्रिया में मिट्टी, प्रदूषित जल, कम्पोस्ट और पौधों के अर्क जैसे प्राकृतिक तत्वों को शामिल करते हैं, जिससे प्रकृति स्वयं छवि-निर्माण की प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बन जाती है। उनका कार्य पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व का प्रभावशाली संदेश देता है। वासुदेव वशिष्ठ अमेरिका, फ्रांस, ताइवान, मैक्सिको, जापान, इक्वाडोर, चीन, डोमिनिकन रिपब्लिक, ब्राज़ील, जर्मनी, ईरान, कनाडा, अर्जेंटीना, दक्षिण कोरिया और भारत सहित विभिन्न देशों के 17 कलाकारों में भारतीय मूल के एकमात्र कलाकार हैं, जिन्हें न्यूयॉर्क फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स (एनवाईएफए) के प्रतिष्ठित इमिग्रेंट आर्टिस्ट प्रोग्राम-2026 के लिए चुना गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उनकी कलाकृतियों का प्रदर्शन फोर्ड

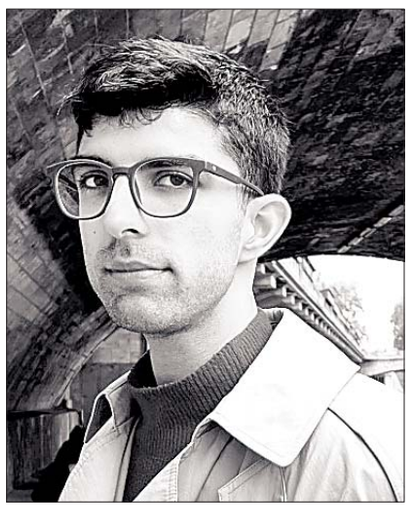

फाउंडेशन गैलरी, न्यूयॉर्क में किया गया। उनकी कृतियां न्यूयॉर्क फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स, अर्थ पार्टनर CreateCOPw9, इकोआर्ट फेस्टिवल, फोटोविल फेस्टिवल, बैक्सटर स्ट्रीट कैमरा क्लब ऑफ न्यूयॉर्क, लिशुई फोटोग्राफी फेस्टिवल (चीन) तथा जयपुर आर्ट वीक सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शित हो चुकी हैं। चंडीगढ़ में जन्मे वासुदेव वशिष्ठ ने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जॉन्स हाई स्कूल, चंडीगढ़ से प्राप्त की। उन्होंने पीईसी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.ई. तथा पार्सन्स स्कूल ऑफ डिज़ाइन, न्यूयॉर्क से फोटोग्राफी में एम.एफ.ए. की उपाधि प्राप्त की है।

चंडीगढ़ ललित कला अकादमी के अध्यक्ष भीम मल्होत्रा ने कलाकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, यह पर्यावरणीय सरोकारों पर आधारित एक दुर्लभ प्रदर्शनी है। कलाकार में रंगों और संयोजन की उत्कृष्ट समझ है तथा उनकी अभिव्यक्ति अत्यंत प्रभावशाली और विविधतापूर्ण है।

बकरी चोरों के भी खिलाफ कार्यवाही में शिवली में तीन शातिर गिरफ्तार, बकरा, नकदी और बाइक बरामद

» प्रथम न्यूज । कानपुर

11 जुलाई (सुनील बाजपेई)

अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मुलाकात खोले कानपुर देहात की शिवली थाना पुलिस को बकरा बकरी चुराने वाले गिरोह का भी भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है।

बकरा और बकरी चोरी की अनेक घटनाओं को पहले भी अंजाम दे चुके इस गिरोह के पास से चोरी किया गया बकरा बरामद करने के साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है, जिनके पास से घटना में प्रयोग की जाने वाली मोटरसाइकिल, नगदी और मोबाइल आदि भी बरामद किया गया है। पकड़े गए कि गिरोह के सदस्यों के खिलाफ अनेक मुकदमे पहले भी दर्ज कराई जा चुके हैं।

अपनी नियुक्त वाले अब तक के लगभग हर थाना क्षेत्र में पीड़ितों की सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ भी प्रभावी कार्रवाई में अग्रणी तथा शिवली थाना क्षेत्र में अपने अब तक के कार्यकाल में हुई छोटी बड़ी सभी घटनाओं का सटीक खुलासा करने वाले तेजतर्रार ,व्यवहार कुशल जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह को बकरा - बकरी चोर गिरोह के शातिर नमन पुत्र सुनील बाल्मीकि निवासी ग्राम दिलीपनगर थाना चौबेपुर जनपद कानपुर नगर,अर्जुन पुत्र अजय निवासी खुमान निवादा थाना शिवली और शनी पुत्र मुनेश निवासी ग्राम काशीपुर थाना रूरा जनपद कानपुर देहात को गिरफ्तार करने में सफलता तब मिली जब वह कानपुर नगर व कानपुर देहात बॉर्डर पर पाण्डु नदी पुल शिवली-चौबेपुर मार्ग पर संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे।

की गई पूछताछ में गिरफ्तार चोरों ने पुलिस को बताया कि ग्राम दिलीपनगर निवासी नन्हे लाल पुत्र भरोसे के घर के पास से चुपचाप चुराए गए उसके बकरे को मोटरसाइकिल से लाद कर गांव से दूर जंगल में बांध दिया था और गिरफ्तारी के समय उसको बेचने के लिये कन्नौज ले जा रहे थे। साथ ही यह भी बताया कि ग्राम अजयपुर, थाना रूरा, जनपद कानपुर देहात से भी चुराई गई दो बकरियों को रास्ते में एक अज्ञात व्यक्ति को 25,000 रुपये में बेच दिया था। जानवर चोरों को गिरफ्तार करने इस वाली टीम में सब इंस्पेक्टर आनंद कुमार पाण्डेय, कांस्टेबल अभिषेक कुमार प्रशिक्षणार्थी कांस्टेबल प्रशान्त और गौरव भी शामिल रहे।

मानसून की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की व्यापक समीक्षा, प्रदेशभर में प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रत्येक जिला जारी करेगा टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर, अधिकारी फील्ड में रहकर करें नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मानसून के मद्देनजर प्रदेशभर में जल निकासी व्यवस्था, जलभराव की रोकथाम तथा संभावित बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की शुक्रवार देर रात व्यापक समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों, मंडलायुक्तों तथा सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय, विकास एवं पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, प्रदेश में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जिलों में जल निकासी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करें तथा फील्ड स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में जलभराव की आशंका रहती है, उनकी पहले से पहचान कर वहां सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। वर्षा के तुरंत बाद प्रभावित क्षेत्रों से पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि जनजीवन सामान्य बना रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय, विकास एवं पंचायत, राजस्व, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें। जल निकासी के लिए आवश्यक पंप सेट, मोटर, पाइप तथा अन्य उपकरण पूरी तरह कार्यशील अवस्था में तैयार रखे जाएं। उपमंडल स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश से गुजरने वाली नदी सहित सभी ड्रेन की नियमित निगरानी की जाए तथा जहां कहीं भी बरसाती पानी के प्रवाह में अवरोध हो, उसे तत्काल हटाकर निर्बाध जल निकासी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यमुना नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखने के निर्देश देते हुए कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में संवेदनशील क्षेत्रों में अधिकारियों की तत्काल तैनाती सुनिश्चित की जाए। राजस्व, सिंचाई, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभाग बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समन्वित ढंग से कार्य करें, ताकि जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों में उपयोग होने वाली मशीनरी, नावों, जनरेटर तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता की नियमित जांच की जाए। सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण एवं जल निकासी से संबंधित कंट्रोल रूम चौबीस घंटे सक्रिय रखे जाएं तथा आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह तैयार रखा जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए।

आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए तथा चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी न रहे। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जिला मानसून के दौरान नागरिकों की सुविधा के लिए अपना टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी करे, ताकि जलभराव, बाढ़ अथवा अन्य आपात स्थिति से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

घर में करें दही फेसिअल

घरेलू नुस्खों में दही का इस्तेमाल सदियों से चला आ रहा है / दही हमारी सेहत के साथ साथ त्वचा के लिए भी काफी फायदेमन्द माना जाता है।

आजकल बरसात के दौरान जब आप दही खाना कम कर देते हैं तो बेहतर होगा इसका इस्तेमाल त्वचा निखारने के लिए किया जाये। दही सेहत के साथ साथ त्वचा के लिए भी काफी फायदेमन्द माना जाता है । दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को निखारता है और इंस्टेंट ग्लो लाता है , स्किन को टाइट करता है और टैनिंग को कम करता है । चेहरे पर दही लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है । दही प्रोटीन , कैल्सियम और विटामिन जैसे पौषक तत्वों से भरपूर होता है

जो त्वचा के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।दही को फेस क्लीन्ज़र के तौर पर इस्तेमाल करने से चेहरे पर जमा धूल ,मिट्टी और एक्स्ट्रा ऑयल हट जाता है । इसके लिए आप कांच की कटोरी में दो चमच्च गाढ़े दही में दो चमच्च गुलाब जल मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें । इस मिश्रण से अपने चेहरे की आहिस्ता आहिस्ता मसाज करें और बाद में चेहरे को ताजे साफ़ पानी से धो डालें ।

एक कटोरे में दो चमच्च दही लें । इसमें एक चमच्च बेसन , एक चुटकी दही और एक चुटकी नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें । इस मिश्रण को चेहरे पर लगाने के बाद प्रकृतिक तौर पर सूखने दें और इसके बाद साफ ताजे पानी से धो डालें । इस फेसिअल को लगाने से आपकी त्वचा पर प्रकृतिक निखार आएगा।

1 चम्मच दही, 1 चम्मच एलोवेरा जेल और कुछ बूंदे गुलाब जल की मिलाकर अच्छे से मिक्स करें और चेहरे पर लगाएं। इस पैक को कुछ मिनट तक चेहरे पर रखें और फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।। यह फेस पैक त्वचा की प्रकृतिक आभा बनाये रखता है । त्वचा में दाग ,धब्बे और पिंपल्स नहीं होते ।

कांच के एक कटोरे में पांच चमच्च दही में दो चमच्च बादाम तेल मिलकर इसे अच्छी तरह फेंट लें ताकि यह क्रीम की तरह बन जाये । इस क्रीम से अपने चेहरे , कंधे और गर्दन पर आहिस्ता आहिस्ता मसाज करें । अब एक गिलास गर्म पानी में सूती रुमाल भिगोकर कर इसे क्लीन कर लें । इससे आपकी त्वचा को पौषण मिलेगा और त्वचा में ताजगी महसूस होगी।

एक कटोरी में आधा कप फीका दही , एक बड़ा चमच्च शहद , एक चमच्च नींबू का रस , 1 14 चमच्च हल्दी पाउडर ,को मिलाकर एक चिकना पेस्ट बना लें । इस पेस्ट को उँगलियों की मदद से आँखों को छोड़ कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 15 -20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो डालें और त्वचा को थपथपा कर सूखा लें । अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो एक बाउल में एक चमच्च बेसन और एक चमच्च दही को मिलकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।

इस गाढ़े पेस्ट में दो बूंद नींबू और एक चुटकी हल्दी पाउडर मिलाएं।

इस मिश्रण को साफ किए हुए चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं। इस फेस पैक को प्रकृतिक तौर पर सूखने दें । इस सूखे पैक को चेहरे और गर्दन से हटाने के लिए गुनगुना पानी लगाएं

20 मिनट से 30 मिनट के बाद, सूखे फेस पैक को हल्का गीला करने के लिए उस पर गर्म पानी लगाएं इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ कर पैक को हटा लें ।

इस तरह रगड़ने से आपकी त्वचा के डेड सेल्स निकल जाएंगे। बाकी के फेस पैक को हटाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। फेसिअल से पहले क्लींजिंग , स्क्रबिंग, मसाज जरूरी होती है ।

फेशियल के बाद चेहरे की मॉइश्चराइजिंग और टोनिंग करना भी काफी जरूरी होता है। अगर आपकी ड्राई स्किन है, तो आप एलोवेरा जेल या कोई मॉइश्चराइजर लगा लें। अगर आपकी ऑयली स्किन है, तो आप टोनिंग के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

दही फेशियल से त्वचा में प्रकृतिक ग्लो बढ़ता है, स्किन में लंबे समय तक नमी बनी रहती है, सनटैन और सनबर्न से बचाव होता है, झाइयां, पिंपल और ऐक्ने की समस्या कम हो सकती है, झुर्रियों और एजिंग के संकेत देर से नजर आते हैं। हर स्किन टाइप के लोग इसका उपयोग कर सकते हैं। फेशियल के बाद धूप में निकलते समय सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

शहनाज़ हुसैन

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय हैं

लिवर डिटॉक्स करने के साथ ही दिल को मजबूत बनाता है जामुन

सीजन जाने से पहले आप भी खाना कर दें शुरू

जामुन एक पोषक तत्वों से भरपूर फल है, जिसे आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा शास्त्र दोनों में लाभकारी माना गया है। इसका टेस्ट खट्टा-मीठा और हल्का कसैला होता है,और यह गर्मियों के मौसम में खासतौर पर पसंद किया जाता है।

जामुन में विटामिन सी, आयरन, पोटैशियम, फाइबर और पॉवरफुल एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इसे औषधीय गुणों से भरपूर बनाते हैं।यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि कई बीमारियों से बचाने में भी सहायक होता है। तो आइए, जानते हैं जामुन के कुछ मुख्य स्वास्थ्य लाभ के बारे में-

डायबिटीज को नियंत्रित करता है

जामुन मधुमेह रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें पाए जाने वाले जंबोलिन और जंबोसिन जैसे तत्व ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम को सुधारता है

फाइबर से भरपूर जामुन पाचन को मजबूत बनाता है और कब्ज, गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। यह पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है

जामुन में मौजूद विटामिन सी, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं।यह सर्दी-खांसी इंफेक्शन और अन्य बीमारियों से बचाने में सहायक होता है।

खून की कमी दूर करता है

आयरन से भरपूर जामुन शरीर में रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन को बढ़ाता है, जिससे एनीमिया से बचाव होता है और शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है।

दिल को स्वस्थ रखता है

इसमें पाए जाने वाले पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। जिससे हार्ट को मजबूत बनता है।

वेट लॉस में सहायक

जामुन कैलोरी में कम और फाइबर में अधिक होता है, जिससे भूख नियंत्रित रहती है और मेटाबॉलिज्म तेज होता है। जिससे वेट लॉस करने में मदद मिलती है।

स्किन को ग्लोइंग बनाता है

इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए स्किन को जवान और ग्लोइंग बनाए रखते हैं।

दांत और मसूड़ों के लिए फायदेमंद

जामुन की छाल और पत्तियां दांतों और मसूड़ों की समस्याओं जैसे मसूड़ों की सूजन, पायरिया और बैक्टीरियल इंफेक्शन से राहत देती हैं।

लिवर को डिटॉक्स करता है

जामुन लिवर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में सहायक होता है। यह लिवर फंक्शन को सुधारता है और फैटी लिवर जैसी समस्याओं को रोकता है।

कैंसर से बचाव में सहायक

जामुन में मौजूद एंथोसायनिन, फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं।

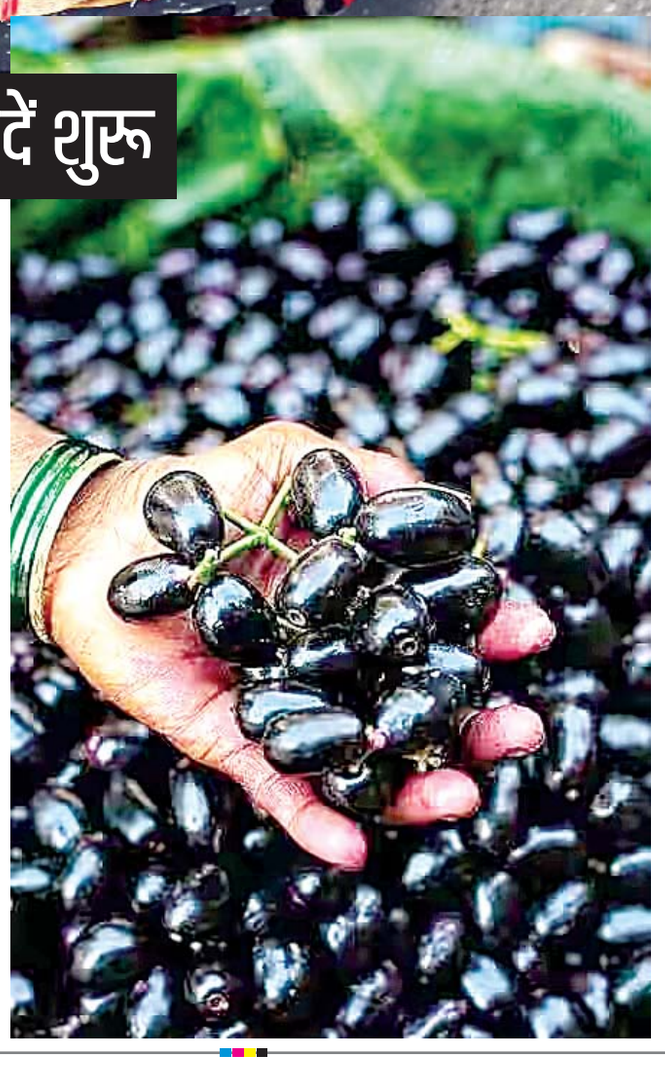

सुबह-सुबह पीला यूरिन आना किस चीज का संकेत है?

कई बार हम सुबह उठते ही देखते हैं कि पेशाब का रंग हल्के पीले से लेकर गाढ़े पीले रंग का होता है. अधिकतर लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शरीर के भीतर चल रही कुछ प्रक्रियाओं का संकेत हो सकता है.

यूरिन का रंग शरीर में मौजूद पानी की मात्रा, खानपान, दवाइयों और स्वास्थ्य से जुड़ी स्थितियों पर निर्भर करता है. अगर यह स्थिति कभी-कभी हो तो घबराने की बात नहीं, लेकिन अगर रोजाना ऐसा हो रहा है और साथ में जलन, बदबू या कोई और लक्षण भी दिखाई दें, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. यह आपके शरीर में विटामिन्स की अधिकता या किसी संक्रमण, डिहाइड्रेशन जैसी स्थिति की ओर इशारा कर सकता है.

सुबह के समय पेशाब का रंग पीला इसलिए हो सकता है क्योंकि पूरी रात शरीर बिना पानी के रहता है, जिससे यूरिन अधिक कंसंट्रेटेड यानी गाढ़ा हो जाता है. इसके अलावा, जब शरीर में पानी की कमी होती है तो यूरिन का रंग और भी गाढ़ा दिखाई देता है. कई बार विटामिन सप्लीमेंट्स, खासकर विटामिन बी कॉम्प्लेक्स के सेवन से भी यूरिन पीला हो सकता है. डिहाइड्रेशन के अलावा यह संकेत हो सकता है कि शरीर में कोई संक्रमण या किडनी से जुड़ी दिक्कतें पनप रही हैं. हालांकि हर केस में यह जरूरी नहीं कि पीला यूरिन बीमारी का ही संकेत हो, लेकिन अगर यह लंबे समय तक बना रहे, तो इसकी जांच जरूर करानी चाहिए.

किन बीमारियों का संकेत है?

सफदरजंग हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग में डॉ. सुभाष जैन बताते हैं कि लगातार पीला या गाढ़ा यूरिन कई स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है. सबसे आम कारण डिहाइड्रेशन है. इसके अलावा, यह यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट संक्रमण, लिवर से जुड़ी बीमारियां जैसे पीलिया या किडनी की समस्या का संकेत भी हो सकता है. अगर यूरिन के साथ तेज बदबू, जलन या झाग जैसा कुछ दिखाई दे, तो ये संकेत संक्रमण के हो सकते हैं.

कुछ मामलों में डायबिटीज या प्रोस्टेट ग्लैंड की समस्या भी यूरिन के रंग और मात्रा को प्रभावित कर सकती है. इसके अलावा प्रेग्नेंट महिलाओं में हॉर्मोनल बदलावों के कारण भी यूरिन पीला दिखाई दे सकता है. अगर पेशाब के रंग में लगातार बदलाव आ रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है.

कैसे करें बचाव

- रोजाना 7-8 गिलास पानी जरूर पिएं.
- बहुत अधिक विटामिन सप्लीमेंट्स न लें, डॉक्टर की सलाह से ही लें.
- सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी पिएं.
- ज्यादा नमक और प्रोसेस्ड फूड से बचें.
- यूरिन में जलन, दर्द या रंग में बदलाव हो तो तुरंत जांच कराएं.
- साफ-सफाई का ध्यान रखें.
- समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराते रहें.